

यूए में भारतीय हथियारों की एंटी का सशक्त समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के ऐतिहासिक मौका, हिल जाएगा अमेरिका! निर्माण हेतु संकल्पित हों-योगी आदित्यनाथ

एजेंसी। दिल्ली संयुक्त उत्पादन नहीं होता था। रक्षा उद्योगों का एकीकरण नहीं था। मतलब रिश्ता तो था लेकिन खरीददार और विक्रेता का अब यह रिश्ता बदल चुका है। अब भारत और यूरोप बन रहे संयुक्त निर्माता संयुक्त विकासकर्ता और यह बदलाव बहुत दुर्लभ है क्योंकि यूरोपीय संघ अपनी रक्षा कूटनीति में बहुत कम देशों को इतना भरोसा देता है। गणतंत्र दिवस परेड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व के सामने भारत के स्वदेशी हथियारों, मिसाइल सिस्टम, तोपखाने और रक्षा तकनीक का प्रदर्शन किया तो यह सिर्फ एक परेड नहीं थी। यह एक रणनीतिक संदेश था। यह संदेश था कि भारत अब सिर्फ हथियार खरीदने वाला देश नहीं है। भारत अब हथियार बनाने वाला, तकनीक विकसित करने वाला और भरोसेमंद रक्षा साजदार बन चुका है। इसी बैकग्राउंड में एक बहुत बड़ी खबर सामने आई। यूरोपी संघ अपनी रक्षा नीति को रिवेट कर रहा है और इस रिवेट का सबसे बड़ा फायदा भारत



को मिल सकता है। दरअसल भारत और यूरोपी संघ इस समय दो बड़े समझौतों की तैयारी में है। पहला भारत यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता दूसरा सुरक्षा और रक्षा रणनीति साझेदारी। इस एफटीए को मदर ऑफ ऑल डीलस कहा जा रहा है और रक्षा समझौता इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है। पिछले कई दशकों में भारत यूरोपीय संघ संबंधों में इतना बड़ा मौका कभी नहीं आया। पहली बार यूरोपीय संघ किसी देश के

अब यह रिश्ता बदल चुका है। अब भारत और यूरोप बन रहे संयुक्त निर्माता संयुक्त विकासकर्ता और यह बदलाव बहुत दुर्लभ है क्योंकि यूरोपीय संघ अपनी रक्षा कूटनीति में बहुत कम देशों को इतना भरोसा देता है। दरअसल कोई भी देश सिर्फ दोस्ती के लिए अपनी रणनीति नहीं बदलता। इसके पीछे राष्ट्रीय हित होते हैं। जैसे कि यूरोप को अब यह एहसास हो चुका है कि वह अमेरिका पर जरूरत से ज्यादा निर्भर हो चुका है। नाटो सदस्य होने का मतलब पूरी सुरक्षा नहीं है। अमेरिका कभी भी पीछे हट जाता है। हथियार, चिप्स और गोला बारूद की सप्लाई चेन कमजोर है। यूक्रेन युद्ध और अमेरिकी राजनीति की अनिश्चितता ने यूरोप को सोचने पर मजबूर कर दिया। यूरोप ने देखा कि अमेरिका अपने फैसले अचानक बदल सकता है। सहयोगियों को अकेला छोड़ सकता है।

संवाददाता। योगी आदित्यनाथ ने एक अन्य पोस्ट में एक पत्र साझा किया जिसमें उन्होंने कहा, हमारा संविधान हमें स्वतंत्रता, समता, न्याय और बंधुता का अमूल्य उपहार प्रदान करता है। ये संवैधानिक मूल्य एवं मजबूत बनाता है। आइए, अपने अमर सैनानियों को स्मरण करने के साथ, संविधान के आदर्शों से प्रेरित होकर एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण हेतु संकल्पित हों। जय हिंद! योगी आदित्यनाथ ने एक अन्य पोस्ट में एक पत्र साझा किया जिसमें उन्होंने



कहा, हमारा संविधान हमें स्वतंत्रता, समता, न्याय और बंधुता का अमूल्य उपहार प्रदान करता है। ये संवैधानिक मूल्य एवं मजबूत की आत्मा हैं।

सीएम योगी पर शंकराचार्य की टिप्पणी से आहत होकर डिप्टी कमिश्नर ने दिया इस्तीफा

संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ शंकराचार्य की ओर से की गई टिप्पणी से आहत होकर उपायुक्त कर अयोध्या प्रशांत सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने की घोषणा के बाद



शंकराचार्य विवाद में उमा भारती की एंटी, बोलीं- सबूत मांगना गलत,

बरेली में बवाल निलंबित नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री की मांग- राष्ट्रपति शासन लागू करो

संवाददाता। बरेली। निलंबित बरेली नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने जिला प्रशासन पर उत्पीड़न और जातिगत दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए संवैधानिक व्यवस्था टूटने का दावा किया है, और उत्तर प्रदेश का राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की है। उन्होंने अपने निलंबन और बंधक बनाए जाने के आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की भी मांग की। मंगलवार को जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बात करते हुए निलंबित बरेली नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने जिला प्रशासन पर उत्पीड़न और जाति आधारित दुर्व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए। पत्रकारों को संबोधित करते हुए अग्निहोत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के आचरण पर सवाल उठाए और व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैं जिला मजिस्ट्रेट से पूछना चाहता हूं कि उन्हें कल रात किसने फोन किया था और कौन मुझे पंडित होने के कारण गाली दे रहा है, और वह व्यक्ति किस विचारधारा का है? संवैधानिक प्रक्रियाओं के



किया जाना चाहिए। आम जनता सरकार के खिलाफ हो गई है। यह विरोध प्रदर्शन अग्निहोत्री के नगर मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें जिला मजिस्ट्रेट के शिबिर कार्यालय में रात भर बंधक बनाकर रखने की सुनियोजित साजिश रची

उन्हें पता चला कि मीडिया को मुझे बंधक बनाने की योजना की जानकारी है, तो मुझे जाने दिया गया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यह घटना उन्हें बयान जारी करने के लिए मजबूर करने और फिर अलग आधार पर निलंबित करने की साजिश का हिस्सा थी। जांच की मांग करते हुए अग्निहोत्री ने कहा कि फोन पर हुई बातचीत और उनके निलंबन से जुड़े हालातों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम निलंबन आदेश के संबंध में अदालत में अपील करेंगे और जल्द ही आगे की कार्रवाई तय करेंगे। इससे पहले, अग्निहोत्री ने आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश में द्वाघ्नाय विरोधी अभियान चल रहा है और उन्होंने ब्राह्मणों के साथ कथित दुर्व्यवहार की घटनाओं का हवाला दिया, जिनमें प्रयागराज में माघ मेले के दौरान हुई घटनाएं भी शामिल हैं।

एजेंसी। दिल्ली। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से उनकी पदवी का सबूत मांगने पर उमा भारती ने यूपी प्रशासन की आलोचना की है, इसे मर्यादा और अधिकारों का उल्लंघन बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणी योगी आदित्यनाथ के विरुद्ध नहीं है, बल्कि यह केवल शंकराचार्यों और विद्वत परिषद का अधिकार है, जिससे यह पूरा विवाद राजनीतिक और धार्मिक मर्यादाओं के बीच उलझ गया है। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता उमा भारती ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी से उनके शंकराचार्य पदवी का प्रमाण मांगना मर्यादा का उल्लंघन है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनके इस कथन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अनादर करना



प्रदेश सरकार के बीच कोई सकारात्मक समाधान निकल आया किंतु प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा शंकराचार्य होने का सबूत मांगना, यह प्रशासन ने अपनी मर्यादाओं एवं अधिकारों का उल्लंघन किया है, यह अधिकार तो सिर्फ शंकराचार्यों का एवं विद्वत परिषद का है। हालांकि, इसके बाद उमा भारती ने एक और एक्स पोस्ट किया। उमा भारती ने लिखा कि योगी विरोधी खुश फहमी

ना पालें, मेरा कथन योगी जी के विरुद्ध नहीं है, मैं उनके प्रति सम्मान, स्नेह एवं शुभकामना का भाव रखती हूं किंतु मैं इस बात पर कायम हूं कि प्रशासन कानून-व्यवस्था पर सख्ती से नियंत्रण करे लेकिन किसी के शंकराचार्य होने का सबूत मांगना मर्यादा का उल्लंघन है, यह सिर्फ शंकराचार्य या विद्वत परिषद कर सकते हैं। उनकी ये टिप्पणी माघ मेले के दौरान शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से रोकने के कथित प्रयास के बाद आई है। हालांकि, प्रयागराज प्रशासन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। संभागीय आयुक्त सोम्या अग्रवाल ने कहा कि शंकराचार्य बिना पूर्व अनुमति के लगभग 200 अनुयायियों

के साथ संगम पर पहुंचे, जबकि वहां भारी भीड़ थी। शनिवार को बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की सुप्रीमो मायावती ने कहा कि हाल के वर्षों में न केवल उत्तर प्रदेश में बल्कि पूरे देश में धार्मिक त्योहारों, छुट्टियों, पूजा-पाठ और स्नान समारोहों में राजनीतिक हस्तियों का हस्तक्षेप बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यह प्रवृत्ति जनता के बीच नए संघर्षों और चिंताओं को जन्म दे रही है। प्रयागराज स्नान समारोह विवाद का ताजा उदाहरण देते हुए मायावती ने चेतावनी दी कि पक्षीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए धर्म को राजनीति से जोड़ा अंतर्हित रूप से खतरनाक है। उन्होंने X पर पोस्ट किया, प्रयागराज में स्नान समारोह को लेकर पनप रहे कड़वे विवाद को आपसी सहमति से जल्द से जल्द सुलझाया जाना चाहिए – जितनी जल्दी हो उतना अच्छा।

राजस्थान में मौसम का मिजाज बदला पश्चिमी विक्षोभ से जयपुर सहित कई जिलों में बारिश, बड़ी ठिठुरन

एजेंसी। राजस्थान एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित कई जगहों पर मंगलवार सुबह बारिश हुई और सर्द हवाओं से ठंडक बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा, अजमेर संभाग के कुछ भागों में बारिश हो सकती है। राजस्थान में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। एक नए पश्चिमी विक्षोभ (मैजमतद क्पेजनतइंदबम) के सक्रिय होने के कारण मंगलवार सुबह राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हुई। बेमौसम हुई इस बरसात और साथ में चल रही सर्द हवाओं ने राज्य में कड़ाके की ठंड और बढ़ा दी है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, मंगलवार को बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा और अजमेर संभाग के कुछ हिस्सों में बारिश होने की प्रबल संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई जिलों में रुक-रुक कर बारिश हुई है। साथ ही, घने कोहरें और शीतलहर के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा, अजमेर संभाग के कुछ भागों में बारिश हो सकती है। राजधानी जयपुर के कई इलाकों सहित अनेक स्थानों पर मंगलवार सुबह हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार मंगलवार सुबह तक के चौबीस घंटों के दौरान राज्य में कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई। उसने कहा कि इस दौरान कोहरा रहा और कई जगह कड़ाके की सर्दी का दौर जारी रहा। इस दौरान राज्य में सर्वाधिक न्यूनतम तापमान अलवर



अनुसार राज्य में कल से सक्रिय हुए नए पश्चिमी विक्षोभ का आज सर्वाधिक असर रहने की संभावना है। इससे बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा, अजमेर संभाग के कुछ भागों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो

में 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के

सकती है। इस दौरान कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने व 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सर्द हवाएं चलने की भी संभावना है। वही आने वाले दिनों में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने व शीतलहर से राहत मिलने की उम्मीद है।

एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी साकिंग फैसला, छोड़ेगी किन्नर अखाड़ा का महामंडलेश्वर पद,

एजेंसी। दिल्ली। ममता कुलकर्णी ने अपने आध्यात्मिक मार्ग को कृष्ण मूर्ति की तरह स्वतंत्र बताते हुए किन्नर अखाड़ा के महा मंडलेश्वर पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सत्य को किसी पद की आवश्यकता नहीं होती और उनका यह फैसला पूरी तरह से व्यक्तिगत है, जिसमें किसी से कोई असहमति नहीं है। पूर्व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने किन्नर अखाड़ा के महा मंडलेश्वर पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा है कि यह निर्णय स्वेच्छा से और उचित मानसिक स्थिति में लिया गया है। उनके बयान के अनुसार, उनका इस्तीफा 27 जनवरी, 2026 से प्रभावी होगा। अपने संदेश में ममता कुलकर्णी ने स्पष्ट किया कि उनका यह निर्णय अखाड़ा के भीतर किसी भी विवाद या मतभेद से संबंधित नहीं है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि उन्हें डॉ. आचार्य लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी से कोई शिकायत नहीं है और उन्हें सौंपे गए इस पद के लिए उन्होंने आभार और सम्मान व्यक्त किया। अपने इस निर्णय की व्याख्या करते हुए ममता कुलकर्णी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा कि उनकी आध्यात्मिक यात्रा को अब एक अलग मार्ग की आवश्यकता है। मैं ममता मुकुंद कुलकर्णी, पूर्णतः मानसिक रूप से स्वस्थ होकर, 27 जनवरी 2026 से किन्नर अखाड़ा के महा मंडलेश्वर पद से इस्तीफा दे रही हूं।

मिलकर, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की आड़ में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) अभियान चला रहा है और साथ ही आम जनता को परेशान कर रहा है। उन्होंने आगे दावा किया कि ईसीआई यह एसआईआर अभियान केवल पश्चिम बंगाल के लिए चला रहा है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 के पहले छमाही में होने की उम्मीद है। यहाँ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यादव ने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वह मतदान में वृद्धि सुनिश्चित करे, लेकिन पहली बार ऐसा देखा जा रहा है कि चुनाव आयोग और भाजपा, एसआईआर की आड़ में, एनआरसी चला रहे हैं और आम जनता को परेशान कर रहे हैं, और उनका उद्देश्य अधिक वोटों की कटौती करना है। जबकि उनकी जिम्मेदारी मतदाताओं की मदद करना है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की

ममता बनर्जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पूरे देश में अगर कोई भाजपा को टक्कर दे रहा है, तो वह ममता बनर्जी ही हैं। यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि पश्चिम बंगाल की जनता भाजपा को हराएगी और ममता बनर्जी फिर से मुख्यमंत्री बनेंगी। "अगर कोई भाजपा को टक्कर दे रहा है, तो वो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं। भाजपा द्वारा लाया गया एसआईआर (विशेष पुनरीक्षण) केवल पश्चिम बंगाल के लिए है, हालांकि इसे बिहार में भी लागू किया गया था। सपा प्रमुख ने कहा कि जब भी चुनाव होते हैं, चुनाव आयोग अधिकांश से अधिक लोगों को मतदान करने के लिए

प्रोत्साहित करने हेतु अभियान चलाता है, लेकिन एसआईआर के नाम पर ठीक उल्टा हो रहा है। बंगाल में एसआईआर के नाम पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को परेशान किया जा रहा है। देश में अतीत में एसआईआर के नाम पर किसी को परेशान नहीं किया गया। मुझे विश्वास है कि वह फिर से मुख्यमंत्री बनेंगी। बंगाल की जनता भाजपा को हराएगी। वे हमारे देश की धर्मनिरपेक्षता के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में अधिक वोट काट जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईडी को हरा दिया है। भाजपा शबेन झाइश कांड के दर्द से उभर नहीं पाई है। एकस पर एक पोस्ट में ममता बनर्जी ने कहा कि वह चुनाव आयोग के आचरण से "गहराई से व्यथित" हैं और आरोप लगाया कि चुनाव निकाय मतदाता सूचियों में "तार्किक विसंगति" के नाम पर लोगों को परेशान कर रहा है। भारत निर्वाचन आयोग आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस मना रहा है, और यह कितना दुःखद तमाशा है!

उत्तर प्रदेश दिवस पर लोक संस्कृति का विराट सगम, 10 राज्यों के कलाकारों की प्रस्तुतियों ने बनाया आयोजन अविस्मरणीय

लखनऊ, (आरएनएस) उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर आयोजित तिन दिन की दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रदेश की समृद्ध लोक विरासत, सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता को भव्य प्रतीक बनकर सामने आए। उत्तर प्रदेश सहित देश के 10 राज्यों से आए लोक कलाकारों ने पारंपरिक गीत, संगीत और नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने-अपने प्रदेशों की सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रूप में मंच पर उतारा। इन प्रस्तुतियों ने न केवल दर्शकों को भावविभोर किया, बल्कि उत्तर प्रदेश दिवस को एक भव्य और यादगार अवसर के रूप में स्मरण करवा दिया। उत्सव का स्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रमों में लोक कलाकारों ने लोक परंपराओं, मान्यताओं, आस्था और सामाजिक विरासत को प्रस्तुत करते हुए 'एक भारतदृष्टिभारत' की भावना को साकार किया। विभिन्न राज्यों की लोक कलाओं का यह संगम सांस्कृतिक एकता और आपसी सौहार्द का सशक्त संदेश देता नजर आया। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को मुख्यमंत्री

के शासकीय आवास पर आयोजित कलाकार सम्मान समारोह में जम्मू, कश्मीर, गुजरात, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, अण्णल प्रदेश, सिक्किम, बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से आए कलाकारों से मुख्यमंत्री ने सनद किया और उनका प्रशंसा पत्रों के अनुभवों की जानकारी ली। संवाद के दौरान कलाकारों ने कहा कि वे उत्तर प्रदेश के विकास के विषय में पहले सुनते आए थे, लेकिन यहां आकर विकास, विरासत और सम्मान का प्रत्यक्ष साक्षात्कार हुआ है। कलाकारों ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने उन्हें केवल मंच ही नहीं, बल्कि आत्मीय सम्मान भी दिया, जिससे वे अत्यंत अभिभूत हैं। संवाद के दौरान कलाकारों ने अयोध्या नाम जाकर रामलला के दर्शन की इच्छा व्यक्त की, जिस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को कलाकारों के अयोध्या दर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। सम्मान समारोह को औद्योगिक सभ्यता कलाकारों को आर्डीओपी की, प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान किए गए तथा

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सभी अतिथि कलाकारों को हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई दी गई। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने एव संदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस के दौरान आयोजित संस्कृति कार्यक्रमों में प्रदेश की लोक संस्कृति और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि लोक कलाकार लोक कलाओं को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और वे लोक संस्कृति तथा लोक विरासत के सच्चे एम्बेसडर हैं। वर्तमान समय में अनेक लोक कलाएं विलुप्ति के कगार पर हैं, लेकिन मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच और कलाकारों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण के चलते संस्कृति विभाग द्वारा लोक संगीत, लोक नृत्य और अन्य पारंपरिक विधाओं को संरक्षित और प्रोत्साहित करने का निरंतर कार्य किया जा रहा है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से प्रदेश की ग्राम पंचायतों को वाद्ययंत्रों के सेट वितरित किए जा रहे हैं,

जिससे पारंपरिक लोकनृत्य, संगीत, नाटक और पर्व-त्योहारों पर गाए जाने वाले गीतों को पुनर्जीवित कर अगली पीढ़ी तक पहुँचाया जा सके। इसके साथ ही निर्धन और विपन्न लोक कलाकारों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की जा रही है, ताकि वे अपनी कला को जीविका का साधन बना सकें। उन्होंने कहा कि लोक कलाकार एक भारदुश्च्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को धरातल पर उतारने का कार्य कर रहे हैं और लोक संस्कृति को जीवित बनाए रखने में उनका योगदान अतुलनीय है। है कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को सलाहकार अवंशीश अवस्थी, अपर मुख्य सचिव संस्कृति एवं पर्यटन अमृत अभिजात, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद, विशेष सचिव संस्कृति संजय कुमार सिंह, निदेशक सूचना एवं संस्कृति विशाल सिंह, जिलाधिकारी लखनऊ विशाख, अपर निदेशक संस्कृति सुप्रि धवन, सहायक निदेशक तुहिन द्विवेदी, राजेश्वर अहिरवार, सीनू एवं भारती साहजिक सूचना एवं संस्कृति विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

लखनऊ (आरएनएस) । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपकर कासगंज, बरराइच, फर्रुखाबाद और बस्ती जनपदों के विभिन्न विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान गंभीर अनियमितताओं की शिकायत की है। ज्ञापन में मांग की गई है कि इन शिकायतों का संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई की जाए, ताकि एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष रूप से संपन्न हो सके। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि जनपद कासगंज के 100 कासगंज विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में बूथ संख्या 1 से 200 तक के अधिकांश बूथ समाजवादी पार्टी समर्थक बहुल क्षेत्र में आते हैं। इन बूथों पर बीएलओ द्वारा सत्ता पक्ष भाजपा को लाभ पहुंचाने की नीयत से नोटिस धारकों को मात्र 12 घंटे जैसे अत्यंत कम समय में तहसील कार्यालय अथवा खंड विकास कार्यालय पहुंचकर जवाब देने का दबाव बनाया जा रहा है, जबकि भाजपा समर्थित बूथों पर नोटिस धारकों को पर्याप्त समय दिया जा रहा है। इसके साथ ही बीएलओ द्वारा नियमों की अनदेखी

करते हुए नए मतदाता बनाने के लिए बहुत कम फॉर्म उपलब्ध करिए जा रहे हैं और नियमानुसार घर-घर जाकर सत्यापन की प्रक्रिया का भी पालन नहीं किया जा रहा हैसमाजवादी पार्टी ने आप्रोच प्रक्रिया है कि एसआईआर प्रक्रिया में लगे डी.के. वमा सहित कुछ लोग भाजपा के एजेंट के रूप में कार्य कर रहे हैं और समाजवादी पार्टी समर्थित वैध मतदाताओं के नाम कटावों के उद्देश्य से लगातार नियम विरुद्ध गतिविधियां कर रहे हैं। झांपन में मांग की गई है कि एसआईआर नियमावली का पालन सुनिश्चित कराने के लिए ऐसे सभी लोगों को तत्काल हटया जाए और खंड विकास कार्यालयों कासंगज तथा उसके अधिकारियों को एसआईआर कार्य से अलग रखा जाए। पार्टी का कवना है कि वर्तमान विधायक का पुत्र ब्लॉक प्रमुख है जिसके कारण एसआईआर प्रक्रिया के माध्यम से समाजवादी पार्टी के मतदाताओं को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।जनपद बहराइच के 283 नानापरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में एसआईआर प्रक्रिया के हतार-नेपाल मूल की बहूओं को मतदाता सूची से बाहर किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। झांपन में कासंगज है कि इन महिलाओं के पालननियम प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण

पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड होने के बावजूद उन्हें मान्य नहीं किया जा रहा है। बड़ी संख्या में महिलाओं को यह कहकर वापस किया जा रहा है कि भ्रैज प्रमाण पत्र और माइग्रेसन प्रमाण पत्र आवश्यक हैं, जिससे हजारों महिलाएं मतदाता बनने और मतदान करने के अधिकार से वंचित हो सकती हैं। समाजवादी पार्टी ने इस समस्या के तत्काल समाधान की मांग की है। जनपद फर्रुखाबाद के 194 फर्रुखाबाद विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बूथ संख्या 128 में बंगशपुरा और मनिहारी की संयुक्त मतदाता सूची को लेकर भी गंभीर आपत्ति दर्ज कराई गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्ष 2003 में संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ द्वारा बंगशपुरा के मतदाताओं का सत्यापन किया गया, लेकिन लगभग एक किलोमीटर दूर स्थित मनिहारी के मतदाताओं का सत्यापन नहीं किया गया। इसके कारण मनिहारी के लगभग 300 मतदाताओं को विलोपन सूची में डाल दिया गया और अब उन्हें नोटिस जारी किए जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी ने इस पूरे मामले की जांच कराकर विलोपन सूची को मान्य मानते हुए नोटिस निरस्त

करने की मांग की है। जनपद बस्ती में लगभग एक लाख से अधिक नौ-मैंगिंग मतदाताओं और मैंगिंग में लॉजिकल एरर वाले मतदाताओं को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा नोटिस जारी कर सुनवाई को लिए बुलाए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि नोटिस जारी करने और सुनवाई की तिथि के बीच अत्यंत कम समय—सीमा निर्धारित की जा रही है, जिससे बड़ी संख्या में मतदाता समय पर उपस्थित नहीं हो पा रहे हैं और पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता प्रभावित होने की आशंका है। समाजवादी पार्टी ने मांग की है कि राजनीतिक दलों और बूथ लेवल एजेंटों को बूथवार नोटिसों की पूरी सूची उपलब्ध कराई जाए, जिसमें ईआरओ का नाम, सुनवाई स्थल, नोटिस जारी करने और सुनवाई की तिथि का स्पष्ट विवरण हो, ताकि मतदाताओं को समय रहते आवश्यक सहयोग दिया जा सके। ज्ञापन सौंपते समय के.के. श्रीवास्तव, हरिश्चंद्र सिंह और राधेश्याम सिंह ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

रंगदारी वसूली के उद्देश्य से दिन-दहाड़े बम फेंकने की सनसनीखेज घटना का पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की पश्चिमी	संपत्ति क्षति और मोबाइल फोन पर धमकी देने का मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त	बावजूद जब रंगदारी नहीं मिली तो आरोपियों ने 22 जनवरी को थाना काकोरी क्षेत्र के ग्राम बहरू नहर के किनारे राह चलती महिला	मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं एक अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों
---	--	---	---

करते हुए पांच आरोपियों का गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में कैली नाजारगु देसी वम निष्क्रिय करी गए हैं। आरोपियों ने गैर-बनाकर योजनाबद्ध तरीके से लूट और रंगराशी की घटनाओं को अंजाम दिया था। कोतवाली दुबग्गा पुलिस और लखनऊ कमिश्नरेट की अपराध शाखा की स्वीट व सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्यवाही में यह सफलता मिली है। पुलिस के अनुसार 2026 को रंगराशम करी साडे पांच बजे दुबग्गा थाथाना क्षेत्र के ग्राम सिकरौरी स्थित एएस.आर. ट्रेडर्स की बिल्डिंग पर अज्ञात बदमाशों ने वम फेंक दिया था। इस संबंध में ब्यापारी अजित कुमार सिंह की तहरीर पर दुबग्गा कोतवाली में अज्ञात आरोपियों के

टोमा का गठन कर जाच शुरू की गई। जांच और पूछताछ में आसाममें आया कि गैंग का सरगना इन्द्रेक्ष कुमार सिंह अपने साथियों के साथ लंबे समय से सुनियोजित तरीके से आपराधिक गतिविधियां में लिप्त था। 11 नवम्बर 2026 को आरोपी को 11 थाना मलिहाबाद क्षेत्र के ग्राम जगतापुर में एक व्यक्ति से मोबाइल फोन लूट लिया था। उसी लूटे गए मोबाइल का इस्तेमाल कर 12 जनवरी को एस.आर. ट्रेडर्स के मोबाइल नंबर पर कॉल कर दस लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई। जब व्यापारी ने रंगदारी देने से इनकार किया तो दहशत फैलाने के उद्देश्य से 16 जनवरी को दिनदहाड़े एस.आर. ट्रेडर्स भवन

इस मोबाइल को सिम को पहले लूटे गए मोबाइल में डालकर आरोपियों ने व्यापारी को दोबारा जान से मारने की धमकियाँ दीं और रंगदारी के लिए दबाव बनाया। व्यापारी ने पुलिस पर भरोसा जताते हुए किसी प्रकार की राशि नहीं दी। पुलिस के अनुसार 26 जनवरी को आरोपी फिर से बमबाजी की योजना बनाकर तीन देसी बम लेकर घटना स्थल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर शेरपुरवा मोड़ के पास दुबग्गा पुलिस और स्वीट-सर्विलांस टीम ने पाँचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मौके से तीन नाजायज देसी बम नफ़ियज किए गए, लूट से संबंधित दो मोबाइल

आउमउक थाना माल, ज्ञानेन्द्र कुमार निवासी भैठौरा थाना माल, राजन उर्फ राजा निवासी हसीबपुर, राजन काकोरी, मोनु निवासी घनश्यामपुर थाना काकोरी और अंकित कुमार निवासी भलिया थाना काकोरी शामिल हैं। सच में यह भी सामने आया था कि पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है, पुलिस ने मुकदमे में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम सहित गंभीर धाराओं की बढोतर करतें हुए सभी आरोपियों को न्यायिक अरिश्ता में भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई लखनऊ में संगठित अपराध और रंगदारी के खिलाफ सख्त संदेश है तथा प्रयासों के आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

कोलकाता (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स अब जांच एजेंसियाँ नहीं, बल्कि भाजपा के संगठन के रूप में काम कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा जिस राज्य में राजनीतिक रूप से नहीं लड़ पाती, वहाँ इन एजेंसियों को आगे कर देती है। अखिलेश यादव ने यह बातें मंगलवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कहीं। अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी को बधाई देते हुए कहा कि दीदी की हिम्मत, कुतूहल कांग्रेस और उसके कार्यकर्ताओं को बधाई दी जानी चाहिए, जो पूरी जिम्मेदारी के साथ जनता के हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पूरा महाभारत का चुनाव ईडी,

सीबीआई और इनकम टैक्स के सहारे लड़ा और उन्हीं के बल पर जीत हासिल की। उन्होंने एएसआईआर को लेकर कहा कि एएसआईआर ही एनआरसी है और इसकी माध्यम से देश के लोगों को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। पहले वोट चोरी की बात होती थी, लेकिन अब वोट काटने और डिजिटल डकैती की कोशिशें हो रही हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की डिजिटल डकैती को रोक दिया है। भाजपा डेटा की डकैती करना चाहती थी, लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोकतंत्र की हत्या कर रही है, सिंधिया और कानून को नहीं मान रही है और तानाशाही रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में केवल ममता बनर्जी ही हैं जो भाजपा का बीड़ा और मजबूत मोकाबला कर रही हैं और इसी तरह के संघर्ष से भाजपा को हराया

जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा विधानसभा चुनाव को देखते हुए तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जितनी तकलीफ और परेशानी दे सकती है, उसी तरह अलोकतांत्रिक है। अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें खुशी है कि ममता बनर्जी ने ईडी को हरा दिया है। भाजपा ने झारखंड के 'पेन' यानी दर्द को सहन नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि एसआईआर के नाम पर चुनाव आयोग और भाजपा मिलकर एसआईआर को जैसी स्थिति बना रहे हैं और आम जनता को परेशान कर रहे हैं। उनका मकसद परिचित बंगाल में ज्यादा से ज्यादा वोट काटना है। अखिलेश यादव ने कहा कि पहले जब चुनाव आते थे तो चुनाव आयोग मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित करता था, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए अभियान चलाए जाते थे, लेकिन अब स्थिति उलट है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस बार चुनाव आयोग की भूमिका संदिग्ध है और ममता बनर्जी को बेवजह परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को पश्चिम बंगाल की जनता पर पूरा भरोसा है। जनता के दिल में ममता बनर्जी के प्रति प्यार और विश्वास है और वही फिर से सरकार बनाएगी। भाजपा की लड़ाई तो हारने की लड़ाई है। बंगाल की जनता भाजपा को हराएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा देश की सेब्युलर सोच से खिलवाड़ कर रही है और संवैधानिक संस्थाओं के साथ मिलकर वोट काटने का काम कर रही है। यही काम उत्तर प्रदेश में भी किया गया है, लेकिन नफरत और विभाजन की राजनीति करने वाली भाजपा कभी सफल नहीं होगी। अखिलेश यादव ने दोहराया कि पश्चिम बंगाल पूरी तरह ममता बनर्जी के साथ है और समाजवादी पार्टी का पूरा समर्थन उनके साथ है।

28 जनवरी 2020 को आयोजित 66वें विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेश के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस वैश्विक प्रदर्शन में डिजिटल और लैंग्वेज प्रौद्योगिकी, रामको गुप और रमाइडर इलेक्ट्रिक के साथ जल प्रबंधन, सिंचाई, सीवेज एवं अपशिष्ट प्रबंधन, माइक्रोग्रिड और स्मार्ट

शेअरों में ₹2.92 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिसमें प्रदेश वैश्विक निवेश समन्वयन विभाग द्वारा प्रस्तावित मानवचित्र पर एक अग्रणी निवेश गंतव्य के रूप में उभरकर सामने आया है। दावेस से लौटने के बाद ममलवार को लोक भवन सभागार में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदेश के विद्युत एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सम्मेलन में उत्तर प्रदेश की भागीदारी और निवेश उपलब्धियों का विस्तार से विवरण प्रस्तुत किया। विचारों में बताया कि सम्मेलन के दौरान उत्तर प्रदेश के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 119 महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लिया, जिनमें दुनिया की 55 से 56 प्रमुख निवेशक कंपनियों के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल रहे। इन बैठकों के परिणामस्वरूप डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा, वेस्ट-टू-एनर्जी, मैनुफैक्चरिंग, डिफेंस, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, फूड प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रिक वाहन, फार्मा, हेल्थकेयर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में कुल 31 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इन एमओयू के माध्यम से उत्तर प्रदेश को अब तक का सबसे बड़ा प्रस्तावित निवेश प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि सबसे बड़ा निवेश प्रस्ताव नीदरलैंड की कंपनी एएम-ग्रिन के साथ हुआ है। इस समझौते के तहत ग्रेटर नोएडा में एआई आधारित 1 मीगावाट क्षमता का डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा, जिसमें वर्ष 2028 तक लगभग 72.1

₹200 करोड़ का एमओयू हुआ है, जबकि उत्तर ने उत्तर प्रदेश में विस्तारित मोबिलिटी साझेदारी और संपादन ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर की स्थापना में रुचि जताई है। यूपीनेडा के निवेशक इंड्रजीत सिंह ने बताया कि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी दावांस सम्मेलन उत्तर प्रदेश के लिए बेहद सफल रहा। सोलर रूफटॉप और बैटरी एनर्जी स्टोरेज परियोजनाओं में ₹100 करोड़, हाइड्रिड इलेक्ट्रिक व्हील प्लांट में ₹110 करोड़, सोलर पावर प्रोजेक्ट्स और सोलर मॉड्यूल मैनुफैक्चरिंग में ₹0,500 करोड़ तथा ग्रीन मैनुफैक्चरिंग पार्क में ₹3800 करोड़ के निवेश प्रस्ताव सामने आए हैं। इसके साथ ही एनपीसी ग्रीन एनर्जी के साथ नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर गैर-वित्तीय सहायता दिया गया, जबकि आरईसी लिमिटेड ने कृषि उपकरणों - से - ऊर्जा परियोजनाओं के लिए ₹800 करोड़ के निवेश प्रस्ताव दिए हैं। वित्त मंत्री ने बताया कि उद्योग और मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में भी उत्तर प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बना है। रश्मि देवताल्लिक ने एकीकृत इस्पात संयंत्र की स्थापना के लिए ₹4000 करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इसके साथ ही एबी इनवेब, गोदरेज, फिलिप मॉरिस इलेक्ट्रॉनिक्स और इनाइड्स इलेक्ट्रिक जैसी कंपनियों के

पर भी बातचीत हुई। डुपोंट ने झांसी, लखनऊ, नोएडा और वाराणसी में पायलट परियोजनाओं के प्रस्ताव रखते हुए सोलर यूनिट लागत को लेकर भी संभावनाएं प्रस्तुत कीं। प्रौद्योगिकी, फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर में भी उत्तर प्रदेश को वैश्विक कंपनियों से संकासात्मक प्रतिक्रिया मिली। गूगल, उबर, टेक महिंद्रा, सिसको, डेलॉइट, गूगल क्लाउड और अन्य तकनीकी कंपनियों के साथ एआई, डेटा सेंटर, डिजिटल गवर्नेंस, कौशल विकास और मोबिलिटी सॉल्यूशंस पर व्यापक चर्चा हुई। वहीं, बालर कंज्यूमर हेल्थ और एजी, एयर टेक्नोलॉजीज ने एग्रो-प्रोसेसिंग, फार्मा, डायनोस्टिक्स, अनुसंधान एवं विकास और जीवन विज्ञान के क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। [वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने स्पष्ट किया कि दावोस में हुए सभी एमआयू को धरातल पर उतारने के लिए एक समर्पित संगठन-विंडो टीम गठित की जाएगी, जो निवेशकों को स्वीकृतियों से लेकर परियोजनाओं के संचालन तक हर स्तर पर समर्थन देगा। सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश विकासित भारत / 2047 के लक्ष्य की दिशा में तेजी से

विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में 130 से अधिक देशों के लगभग 3000 वैश्विक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें अनेक राष्ट्राध्यक्ष, वैश्विक उद्योग जगत के नेता और नीति-निर्माता शामिल थे। भारत के 10 राज्यों की सहभागिता में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। वित्त मंत्री ने कहा कि इंडिया पवेलियन के अंतर्गत स्थापित यूपी पवेलियन चारों दिन वैश्विक निवेशकों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। प्रदेश की मजबूत कानून-व्यवस्था, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, साइबर सुरक्षा, एमएसएमई और ओडीओपी योजनाओं ने निवेशकों का भरोसा जीतने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि एमएसएमई और ओडीओपी के चलते उत्तर प्रदेश का निर्यात बढ़कर ६1.86 लाख करोड़ तक पहुंच चुका है और प्रदेश के उत्पाद वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं। इस अवसर पर दावोस सम्मेलन में शामिल उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि मंडल के सभी सदस्य मौजूद रहे, जिनमें अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार, मुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव अमित सिंह, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किशन आनंद और यूपीनेडा के निदेशक इंद्रजीत सिंह शामिल रहे।

गोरखपुर, लखनऊ (आरएनएस) । सोमवार देर शाम गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद मंगलवार सुबह जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों की बात ध्यानपूर्वक सुनी, उनकी प्रार्थना पत्र पढ़े और आत्मीय भाव से कहा कि घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है, सभी समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दिया जाए और उसका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी

निराकरण सुनिश्चित किया जाए।
मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ महंति भवन में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने लगभग 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों के पास स्वयं जाकर मुख्यमंत्री ने कहा कि उसे है, क्या समस्या है कहते हुए एक-एक कर सभी की बातें सुनी और भरोसा दिलाया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। उन्होंने प्रार्थना पात्रों को संबोधित-अधिकारियों को सौंपते हुए निर्देश दिया कि सभी मामलों का समयबद्ध और संतोषजनक निस्तारण किया जाए। भूमि कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए दोषियों

के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आवश्‍यत किया कि इलाज के रास्‍ते में धन की कमी आड़े नहीं आएगी और सरकार द्वारा भरपूर आर्थिक मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्‍पताल से संबंधित इस्‍टीमेट की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर शासन को भेजी जाए, ताकि मुश्‍किलों वीरेका पान कोष से इलाज के लिए पर्याप्त सहायता उपलब्‍ध कराई जा सके। इस दौरान परिजनों के साथ आए बच्चों से मुख्यमंत्री ने स्नेहपूर्वक बातचीत की, उन्हें

पढाई और स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया तथा मिष्ठान्न भी वितरित किए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री की दिनचर्या परंपरागत रही। मंगलवार सुबह उन्होंने गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेधनाथ की प्रसन्नता के समक्ष शिर नवाया। इसका बाद मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए वह गोशाला पहुंचे, जहां उन्होंने गोरेखा की। मुख्यमंत्री ने गोवंशों को नाम लेकर पुकारा, उन्हें दुलारा और अपने हाथों से रोटी व गुड़ खिलाया। गोशाला में उनकें पहुंचते ही एक मोर भी उनके पास आ गया, जिसे वे 'पूज' नाम से पुकारते हैं। मुख्यमंत्री ने मोर को भी फूलेपूर्वक अपने हाथों से रोटी के छोटे टुकड़े खिलाए।

**गणतंत्र दिवस पर अमृत सरोवर बने राष्ट्रभक्तिके केंद्र, उप
मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेशभर में फहराया गया तिरंगा**

लखनऊ (आरएनएस)। उप
में निर्मित अमृत सरोवरों पर ति
से निर्गत दिशा—निर्देशों के सफ
के प्रतीक बनाकर उभरे। गाँव—
इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में
समारोह की सबसे बड़ी विशेषता
सरोवरों पर तिरंगा फहराने का
सोनाभियों के परजनों और शह
यह गौरवपूर्ण जिम्मेदारी साँपी
हुआ गणतंत्र दिवस को और अ
किए गए। सरोवरों के महत्व अ
स्कूली बच्चों और युवाओं ने बढ
। और कविता प्रतियोगिताओं व

पर अमृत सरो निर्देश पर प्रदे

पर बने राष्ट्रभा

गभर में फहरार

ईश पर 17वें गणतंत्र दिवस के अमृत मय और उत्साहपूर्ण तरीके के अमृत सरोवर राष्ट्रभक्ति, सामाजिक और लोगों ने एक-दूसरे को गण संरक्षण का अद्भुत संगम देखने नई और प्रेरक परंपरा रही। पूर्वों को प्रदान किया गया। प्रदेश कहारिया, जबकि पंचायतों में गांधी, कृतज्ञता और सामाजिक एलेए अमृत सरोवरों के तट पर दिवस जुड़ाव को समझाने के उद्देश्य संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण की का संचार किया गया।

केन्द्र, उप गया तिरंगा

राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील, नो-मैपिंग मतदाताओं की सुनवाई का किया निरीक्षण

बाराबंकी भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर संचालित विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत मंगलवार को आयुक्त रोल् प्रेक्षक अयोध्या मण्डल, अयोध्या श्री राजेश कुमार द्वारा जनपद में समीक्षा बैठक एवं निरीक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। मण्डलायुक्त के जनपद में आगमन पर कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर मण्डलायुक्त को गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया। तत्पश्चात कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के सम्बन्ध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।इस अवसर पर एसआईआर (विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण) के द्वितीय चरण में जारी नोटिसों की सुनवाई के दौरान मतदाताओं की अधिकतम उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु सभी राजनीतिक दलों से सक्रिय

सहयोग की अपील की गई, जिससे अधिक से अधिक मतदाता निर्धारित तिथियों पर सुनवाई स्थलों पर पहुँच सकें। साथ ही मा0 भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित एसओपी के संबंध में भी अवगत कराया गया। मण्डलायुक्त ने कहा कि अयोध्या मण्डल के सभी जनपदों की तुलना में बाराबंकी जनपद में 'नो-मैपिंग' मतदाताओं की संख्या न्यूनतम है, जो सराहनीय है। यह उपलब्धि राजनीतिक दलों के सहयोग एवं जिला प्रशासन के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने निर्देशित किया कि आयोग द्वारा निर्धारित विशेष अभियान की तिथियों में शेष बचे सभी पात्र मतदाताओं से अनिवार्य रूप से फॉर्म—6 भरवाया जाए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रह जाए।इसके उपरांत मण्डलायुक्त द्वारा तहसील नवाबगंज में वि्ठानसभा क्षेत्र 268—बाराबंकी एवं 269—जैदपुर के अंतर्गत एसआईआर के द्वितीय चरण में 'नो-मैपिंग' वाले मतदाताओं की एसआईआरों द्वारा की जा रही



सुनवाई प्रक्रिया का अवलोकन किया गया। उन्होंने संबंधित एसआईआरों से की गई सुनवाई के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए मा0 आयोग द्वारा निर्धारित एसओपी का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा सुनवाई हेतु आने वाले मतदाताओं को सही एवं स्पष्ट जानकारी देकर नोटिसों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने को कहा।ने मे मण्डलायुक्त द्वारा विकास खंड बनीकोडर में वि्ठानसभा क्षेत्र 270—दरियाबाद की चल रही नोटिस सुनवाई

प्रक्रिया का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित मतदाताओं से संवाद स्थापित कर नोटिस तामील एवं सुनवाई प्रक्रिया के संबंध में उनके अनुभवों का फीडबैक प्राप्त किया। साथ ही एसआईआरों से पोर्टल पर की जा रही कार्यवाहियों का संचालन कराकर अवलोकन किया गया। इस अवसर पर आयुक्त महोदय ने निर्देश दिए कि जिस दिन जिन-जिन भाग यहाँ नागरिकों से मिलकर बना है। जब तक नागरिक अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझेंगे, राष्ट्र के प्रति उनकी भावना अधूरी रहेगी। उन्होंने कहा कि पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को उनके प्राथमिक दायित्व के प्रति सचेत रहना चाहिए।मण्डलायुक्त ने जिला प्रशासन, बीएलओ, शिक्षकों और सुपरवाइजर्स द्वारा पिछले कुछ महीनों में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता अनिवार्य है। इसलिए आगामी चुनावों के दृष्टिगत एक

आजमगढ़ (आर एन एस)16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आज हरिऔध कला केंद्र आजमगढ़ में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य अतिथि मण्डलायुक्त विवेक द्वारा तिरंगे रंग का गुब्बारा उड़ाकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मण्डलायुक्त ने उपस्थित मतदाताओं को अपने देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई गयी।मण्डलायुक्त ने 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए कहा कि आज का यह कार्यक्रम केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि मतदान एवं मताधिकार लोकतंत्र की नींव है, हमारे राष्ट्र की आधारशीला है। उन्होंने कहा कि मतदान करना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि हमारा देश केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है, बल्कि यह नागरिकों से मिलकर बना है। जब तक नागरिक अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझेंगे, राष्ट्र के प्रति उनकी भावना अधूरी रहेगी। उन्होंने कहा कि पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को उनके प्राथमिक दायित्व के प्रति सचेत रहना चाहिए।मण्डलायुक्त ने जिला प्रशासन, बीएलओ, शिक्षकों और सुपरवाइजर्स द्वारा पिछले कुछ महीनों में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता अनिवार्य है। इसलिए आगामी चुनावों के दृष्टिगत एक

भी पात्र व्यक्ति छूटे नहीं और एक भी अपात्र व्यक्ति जुड़े नहीं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में नियमित रूप से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसलिए पूरी निष्पक्षता एवं ईमानदारी के साथ मतदाता सूची में मतदाताओं का नाम शामिल करें। इसके लिए खुद भी जागरूक रहें एवं दूसरों को भी जागरूक करें। मण्डलायुक्त ने नागरिकों से अपील किया कि वे न केवल स्वयं मतदान करें बल्कि अपने परिवार और पड़ोसियों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में संगीत और नृत्य का समंजस्य दिया, वैसा ही समन्वय प्रशासनिक कार्योंमेंभी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता जागरूकता केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इसे सामूहिक और समर्पित प्रयासों से लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने कहा कि 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि 25 जनवरी 1950 को भारत निर्वाचन आयोग का गठन हुआ था। उन्होंने कहा कि 24 प्रदेश का नाम यूनाइटेड प्राविन्सेस से बदलकर उत्तर प्रदेश रखा गया था और 26 जनवरी 1950 को भारत पूरी तरह गणतंत्र घोषित हुआ था। उन्होंने कहा कि 24, 25 व 26 जनवरी की तारीखें भारतीय लोकतंत्र और उत्तर प्रदेश

के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।जिलाधिकाारी ने कहा कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पात्र नागरिकों को मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से या फॉर्म—6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करवायें। उन्होंने कहा कि मतदाता का मापदण्ड पूरा करने वाला को भी नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाकर मतदान की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में भाग ले सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति का नाम केवल एक ही जगह की मतदाता सूची में होना चाहिए और फर्जी नाम जुड़वाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, क्योंकि निर्वाचन आयोग की जांच प्रक्रिया अब बहुत सख्त हो गई है।जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त मतदाताओं से अपील किया कि सभी लोग जाति, धर्म और समुदाय के भेदभाव से ऊपर उठकर लोकतंत्र के इस उत्सव में भाग लें। उन्होंने कहा कि आज उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित भी किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मान के कार्यक्रमों से दूसरे अधिकारिधर्मचारी भी प्रेरणा लें एवं अच्छा कार्य करें, जिससे उनको भी सम्मानित किया जा सके।इससे पूर्व उप जिलाधिकारी सदरधईआईआरओ ने निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित किये जाने की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया।इस अवसर पर तपस्या क्रिएटिव स्कूल, न्यू कला केंद्र समिति आजमगढ़ के बच्चों

द्वारा सामूहिक नृत्य तथा तुषार राज सिंह, मोहन मिश्रा एवं साथी द्वारा लोकगीत की प्रस्तुति दी गयी।इस अवसर पर मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी द्वारा एसआईआर एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ, 80 आयु वर्ग के कुछ मतदाताओं को अंगवस्त्र एवं मोमेण्टो देकर सम्मानित किया गया। साथ ही 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले मतदाताओं को ईपिक कार्ड वितरित किया गया। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलाकारों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेण्टो देकर सम्मानित किया गया।इससे पूर्व नरौली तिरंगा चौराहा से मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी। यह रैली नरौली चौराहा से निकलकर दीवानी न्यायालय आजमगढ़, सिविल लाइन, पुलिस लाइन, कलेक्ट्रेट चौराहा होते हुए हरिऔध। कला केंद्र आजमगढ़ पर समाप्त हुई। मतदाता जागरूकता रैली में जीजीआईसी आजमगढ़, एचएमपीएस स्कूल, डीएवी कॉलेज आजमगढ़, चिल्ड्रेन कॉलेज आजमगढ़ आदि विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, अध्यापकों एवं अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक श्री सुनील कुमार सिंह, अपर जिलाधिकाारी प्रशासन श्री राहुल विश्वकर्मा, अपर जिलाधिकारी विठ्ठल श्री गम्भीर सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएँ एवं अध्यापक तथा आम जनमानस उपस्थित रहे।

मंगलवार की साप्ताहिक परेड की सलामी लेने के पश्चात परेड का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए-

बाराबंकी। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी, बाराबंकी श्री रिंतेश कुमार सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित परेड ग्राउण्ड में मंगलवार की परेड की सलामी ली गई, तत्पश्चात परेड में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने हेतु दौड़ कराई गयी व पुलिसकर्मियों का टर्न आउट चेक करते हुए अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने हेतु ड्रिल की कार्यवाही कराई गयी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों रिक्रूट आरक्षियों की परेड, अनुशासन एवं शारीरिक



क्षमता की भी समीक्षा की गई तथा उन्हें बेहतर प्रशिक्षण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए एवं आदेश कक्ष में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर उन्हें अद्यावधिक रखने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इस दौरान प्रतिसार निरीक्षक श्री राजेश कुमार तथा अन्य अधिकारीधर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ने जनपद की तमसा नदी की चर्चा मन की बात में की

आजमगढ़(आर एन एस) प्रधानमंत्री ने आज मन की बात कार्यक्रम में चर्चा के दौरान कहा कि कुछ लोग समाज की सामूहिक प्रयासों की शक्ति से रास्ता निकालने का प्रयास करते हैं। ऐसा ही एक प्रयास उत्तर प्रदेश के जनपद आजमगढ़ में सामने आया है। आजमगढ़ से होकर गुजरने वाली तमसा नदी को लोगों ने नया जीवन दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तमसा केवल एक नदी ही नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की सजीव धारा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या से निकलकर गंगा में समाहित होने वाली यह नदी कभी इस क्षेत्र के लोगों के जन जीवन की धूरी हुआ करती थी, लेकिन पदूषण की वजह से इसकी अवरिल धारा में रुकावट आने लगी थी। उन्होंने कहा कि गाद, कूड़ा-कचरा और गंदगी ने तमसा नदी के प्रवाह को रोक दिया था, इसके बाद यहां के लोगों ने तमसा को एक नया जीवन देने का अभियान शुरू किया, नदी की सफाई की गयी, नदी के किनारों पर छायादार, फलदार पेड़ लगाये गये। स्थानीय लोग कर्तव्य भावना से इस कार्य में जुटे थे और सबके

प्रयास से नदी का पुनरोद्धार हो गया। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार द्वारा अप्रैल 2025 में कार्यक्रम ग्रहण करने के पश्चात लगातार प्रदेश सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जा रहा है। इसी क्रम में उन्होंने प्रदेश सरकार की सबसे महत्वपूर्ण नदी पुनरोद्धार योजना को सर्वोच्च प्राथमिकता से लेते हुए जनपद की ऐतिहासिक,पौष्पाणिक, धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण तमसा नदी को पुनर्जिवित करने की उदायी थी जिम्मेदारी। उन्होंने तमसा नदी के तट पर स्थित चन्द्रमा ऋषि आश्रम का लगातार भ्रमण किया एवं अधिकारियों के साथ बैठक कर नदी के पुनरोद्धार की कार्ययोजना तैयार कराया।जिलाधिकारी ने तमसा नदी के जल को साफ एवं स्वच्छ बनाने के लिए सफाई कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की।जिलाधिकारी के निर्देश पर मनरेगा, स्वयं सेवी संगठनों एवं आम जनमानस के सहयोग से जनपद के अन्दर 89 किलोमीटर में बहने वाली तमसा नदी से गाद, प्लास्टिक, कचरा एवं दाह संस्कार के पश्चात फेंके हुए कपड़ों को हटाकर सफाई

करायी गयी एवं तमसा नदी के जल को नहाने एवं आचमन योग्य बनाया गया। जिलाधिकारी के प्रयास से जिला गंगा समिति एवं स्थानीय लोगों से सहयोग से एक विशेष अभियान चलाया गया। तमसा नदी गंगा की सहायक एवं प्राचीन नदी है, यदि नदी अयोध्या, अंबेडकरनगर, आजमगढ़ एवं मऊ से प्रवाहित होते हुए जनपद बलिया में गंगा नदी में मिल जाती है। तमसा नदी का पुनर्जीवन, गंगा की सहायक नदियों की सफाई एवं संरक्षण के लिए एक व्यापक एवं प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करता है। नमामि गंगे एक व्यापक एवं समग्र परियोजना है, जिसके अन्तर्गत गंगा एवं सहायक नदियों एवं छोटे नदियों से संरक्षण एवं जल की गुणवत्ता में सुधार एवं पर्यावरण संतुलन बनाये रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।तमसा नदी जनपद आजमगढ़ में लगभग 89 किमी के क्षेत्र में फैली हुई है तथा इसके किनारे जनपद के 111 ग्राम पंचायतें पड़ती है।जिलाधिकारी ने शुरू से ही

समस्त ग्राम पंचायतों के साथ जनपद स्तर पर बैठक कर उन्हें नदी की सफाई एवं उससे मिलने वाले लाभ के बारे में अवगत कराया। जिलाधिकाारी के प्रयासों से जहां नदी पट गयी थी, वहां से गाद निकलवाया गया तथा नदी के किनारे से गंदगी को हटाया गया।जिलाधिकारी के निर्देश पर वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत नदी के किनारे की खाली जमीनों की पैमाइश कराते हुए अवैक। अतिक्रमण को हटाकर फलदार गंगे कार्यक्रम के तहत स्टेट मिशन फार क्लीन गंगा और जिला गंगा समिति के समन्वय से तमसा नदी के संरक्षण और पुनरोद्धार के लिए व्यापक प्रयास किया गया। जिलाधिकाारी के निर्देश पर जिला गंगा समिति के सहयोग से स्वच्छता एवं जन जागरण अभियान के माध्यम से स्कूलों, बच्चोथ्रुवाओं, महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों, ग्राम पंचायतों, स्वयं सेवी संगठनों और स्थानीय नागरिकों की सक्रीय भागीदारी सुनिश्चित की गयी।

आजमगढ़ (आर एन एस) 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर हरिऔध कला केंद्र, आजमगढ़ में आयोजित भव्य कार्यक्रम ने लोकतंत्र की मजबूती का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडलायुक्त विवेक ने तिरंगे रंग का गुब्बारा उड़ाकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित नागरिकों को लोकतंत्र को मजबूत करने हेतु अपने मताधिकार के प्रयोग की शपथ दिलाई। मंडलायुक्त विवेक ने कहा कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रथम बार मतदान करने वाले युवाओं से लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया। साथ ही जिला प्रशासन, बीएलओ, शिक्षकों एवं सुपरवाइजर्स द्वारा मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं जागरूकता हेतु किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि एक भी पात्र मतदाता वंचित न रहे और एक

भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो,यही निष्पक्ष लोकतंत्र की पहचान है।।कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सुनील कुमार सिंह की विशेष भूमिका सराहनीय रही। उन्होंने मतदाता जागरूकता अभियान में पुलिस प्रशासन की सक्रिय सहभागिता को रेखांकित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की सुरक्षा केवल मतदान से नहीं, बल्कि निष्पक्ष, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया से सुनिश्चित होती है। डीआईजी सुनील कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में जनपद में प्रशासनिक समन्वय एवं कानून-व्यवस्था को लेकर जो विश्वास कायम हुआ है, वह प्रशंसनीय है।जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 25 जनवरी 1950 को भारत निर्वाचन आयोग का गठन हुआ था और 26 जनवरी को भारत गणतंत्र बना। उन्होंने युवाओं से वोटर हेल्पलाइन ऐप व फॉर्म—6 के माध्यम से मतदाता सूची में

नाम जुड़वाने की अपील की। साथ ही फर्जी नामांकन के विरुद्ध सख्त चेतावनी देते हुए निष्पक्षता बनाए रखने पर जोर दिया।जिलाधिकाारी ने जाति, धर्म और समुदाय से ऊपर उठकर लोकतंत्र के इस महापर्व में सहभागिता करने की अपील की। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित किए जाने को प्रेरणादायी बताया।कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। तपस्या क्रिएटिव स्कूल व न्यू कला केंद्र समिति के बच्चों द्वारा सामूहिक नृत्य तथा तुषार राज सिंह व उनके साथियों द्वारा प्रस्तुत लोकगीत को खूब सराहना मिली। इस अवसर पर एसआईआर

में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ, 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदाताओं एवं नव मतदाताओं को सम्मानित कर ईपिक कार्ड वितरित किए गए।इससे पूर्व नरौली तिरंगा चौराहा से भव्य मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अधिकाारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। तपस्या क्रिएटिव स्कूल व न्यू कला केंद्र समिति के बच्चों द्वारा सामूहिक नृत्य तथा तुषार राज सिंह व उनके साथियों द्वारा प्रस्तुत लोकगीत को खूब सराहना मिली। इस अवसर पर एसआईआर

जन आरोग्य मेला बना जनसेवा का माध्यम, गर्भवती महिलाओं व बच्चों को मिला विशेष लाभ

आजमगढ़ (आर एन एस) मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला के अंतर्गत जनपद में व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान,मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद आजमगढ़ में शासन की मंशा के अनुरूप सभी नामित स्थलों पर आरोग्य मेलों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी की अनुपस्थिति में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. उमाशरण पांडेय के नेतृत्व में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का प्रभावी, सुव्यवस्थित एवं जनोपयोगी संचालन सुनिश्चित किया गया।आयोजित आरोग्य मेलों में कुल 83 चिकित्सकों एवं 276 पैरामेडिकल कर्मियों द्वारा सेवाएँ प्रदान की गईं। इस दौरान कुल 2552 रोगियों का फंजीकरण किया गया, जिनमें 1173 पुरुष, 1104 महिलाएँ तथा 275 बच्चे सम्मिलित रहे। मेलों के माध्यम से श्वसन रोग, जठरांत्र रोग, मधुमेह, त्वचा रोग, उच्च रक्तचाप, एनीमिया, टीबी सहित अन्य सामान्य एवं दीर्घकालिक रोगों से ग्रसित मरीजों की जाँच उपचार किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत 123 गर्भवती महिलाओं की एएनसी जाँच की गई, साथ ही 123 कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक परामर्श, उपचार एवं पोषण संबंधी दिशा—निर्देश उपलब्ध कराए गए। आवश्यकता अनुसार गंभीर रोगियों को उच्च चिकित्सा संस्थानों हेतु संदर्भित किया गया, जिससे उन्हें समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सके।अपर मुख्य चिकित्साधिकारी के मार्गदर्शन में चिकित्सकीय एवं पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा दवाओं की उपलब्धता, जाँच सेवाएँ, परामर्श एवं रेफरल व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित किया गया।

माया प्रसाद का पूरा जीवन सपा को समर्पित था, वे सच्चे समाजवादी सिपाही थे-धर्मेन्द्र यादव

आजमगढ़ आर एन एस)अंतरौलिया पूर्व ब्लॉक प्रमुख स्वर्गीय माया प्रसाद यादव की 22वीं पुण्यतिथि समाजवादी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में स्मृति दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर आजमगढ़ के सांसद धर्मेन्द्र यादव, क्षेत्रीय विधायक डॉ. संग्राम यादव तथा स्व. माया प्रसाद यादव के पुत्र और अंतरौलिया ब्लॉक प्रमुख चंद्रशेखर यादव ने खंड विकास कार्यालय परिसर में स्थापित स्व. माया प्रसाद यादव की कांस्य प्रतिमा पर मान्यार्पण किया।स्मृति दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सपा महासचिव बलराम यादव ने अपने बचपन के मित्र स्वर्गीय माया प्रसाद यादव को याद किया। उन्होंने कहा कि माया प्रसाद यादव भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी नीतियां और रीतियां आज भी हम सभी के लिए मार्गदर्शक हैं। माया प्रसाद यादव केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा थे।सांसद धर्मेन्द्र यादव ने कहा कि पूर्व ब्लॉक प्रमुख माया प्रसाद यादव ने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में कभी राजनीति को हथियार नहीं बनाया। उनका पूरा जीवन समाजवादी पार्टी को समर्पित रहा और उन्होंने कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर आजमगढ़ में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

आजमगढ़(आर एन एस) राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मेरा युवा भारत आजमगढ़, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में व्यापक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा लोकतंत्र में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना रहा।कार्यक्रम के अंतर्गत पदयात्रा (जागरूकता रैली) निकाली गई, जिसमें छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों ने स्लोगन लिखी तख्तियों

(प्लाकार्ड) के माध्यम से "मेरा वोट मेरा स्वाभिमानी", "पहले मतदान, फिर जलपान" जैसे संदेश देकर लोगों को शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया। पदयात्रा की शुरुआत रामचरण यादव महिला पीजी कॉलेज के प्रांगण से खुरासो बाजार, सतुअहिया बाजार होते हुए पुनः महाविद्यालय परिसर में समापन किया गया। इसके साथ ही प्रतिभागियों द्वारा मानव श्रृंखला (ह्यूमन चेन) का निर्माण कर लोकातांत्रिक एकता का संदेश दिया गया।इस अवसर पर फर्स्ट टाइम वोटर बने युवाओं को सम्मानित किया गया तथा

डल ठभतज की टी-शर्ट वितरित कर उनका उत्साहवर्धित किया गया। सम्मानित होने वाले युवाओं में अभिषेक यादव, विशाल यादव, समा बानो, अनुप्रिया, मंजू पाल, अर्पित यादव, ज्योति प्रजापति, अनु चौहान, नीलू प्रजापति एवं कुलसुम शामिल रहे।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डायरेक्टर रामाश्रय विश्वकर्मा एवं विशिष्ट अतिथि डॉक्टर उमेश यादव रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान लोकतंत्र की आधारशिला है और प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है

कि वह अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करें। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं मतदान करें तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।कार्यक्रम के माध्यम से जनमानस को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक मतदान सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापकगण चंद्रकश प्रजापति, योगेश उपाध्याय, शिवम ओझा, लवकुश यादव, शिवचंद्र यादव, बलवंत कुमार, सौरभ कुमार, प्रताप शुक्ला, डॉक्टर कनीज फातिमा, समा, सुधा यादव, शिवानी, संतोष गिरी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अचला सप्तमी पर संगम स्नान के लिए उमड़ी भीड़

शाम 5 बजे तक 80 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी, मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन बना

प्रयागराज। माघ मेले में रविवार को अचला सप्तमी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। संगम पहुंचने के हर मार्ग पर भक्तों की भीड़ दिख रही है। मेले में सुरक्षा व्यवस्था के खासा इंतजाम हैं। मेले में वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। घाट पर पुलिस, पैरामिलिट्री, पीएसी और सिविल डिफेंस लोग तैनात हैं। स्नान के बाद श्रद्धालु श्री बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। जगह–जगह भंडारे का आयोजन चल रहा है। रविवार छुट्टी का दिन होने के कारण बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी पहुंचे हैं। इसके अलावा दूसरे जनपदों से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मेला प्रशासन का अनुमान है कि अचला सप्तमी पर 80 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया। संगम नोज समेत माघ मेला के



अचला सप्तमी के पावन अवसर पर संगम सहित गंगा–यमुना के 24 से अधिक घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ है। मेला प्रशासन ने अनुमान जताया है कि इस दौरान 40 से 50 लाख श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे। वसंत पंचमी पर आए लाखों श्रद्धालु अभी भी मेला क्षेत्र के शिविरों में ठहरे हुए हैं, जो अचला सप्तमी स्नान के बाद वापसी कर सकते हैं।

डीएम ने दिलाई राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मतदाता शपथ

प्रयागराज। आज जनपद मुख्यालय पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एवं विधानसभा स्तर एवं तहसील मुख्यालय पर संबंधित उप जिलाधिकारीध निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा मतदान केंद्रों बीएलओ द्वारा 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस थीम के रूप में आयोजन कर मतदाता शपथ दिलायी गयी, तथा प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो–दो बीएलओ एवं मतदाता पंजीकरण केंद्रों पर तैनात वीआरसी आपरेटर्स को सम्मानित किया गया। जनपद मुख्यालय पर सेंट एन्थोनी गर्ल्स इण्टर कालेज, प्रयागराज में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं ई०आर०ओ०, 261–इलाहाबाद पश्चिम, 262–इलाहाबाद उत्तर, 263–इलाहाबाद दक्षिण व अन्य अधिकारियों व शिक्षण संस्थाओं के प्रमुखों की उपस्थिति में 16वें राष्ट्रीय मतदाताओं का आयोजन करते हुए मतदाता जागरूकता संबंधी सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, उपस्थित समस्त अधिकारियों, कालेजों के प्राचार्यों एवं प्रवक्ताओं तथा उपस्थित छात्रछात्राओं को जिलाधिकारी द्वारा मतदाता शपथ दिलायी गयी। शहरी तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ 261–इलाहाबाद पश्चिम की श्रीमती खुशनुमा बानो व रितु शर्मा, 262–इलाहाबाद उत्तर के अरुण कुमार सिंह एवं पवन कुमार गौड़ तथा 263–इलाहाबाद दक्षिण के योगेश सिंह व श्रीमती किरन चौरसिया को डीएम द्वारा ट्राली बैग एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

हेड कांस्टेबल अंगद गिरि गणतंत्र दिवस पर रजत पदक से हुये सम्मानित

प्रयागराज। प्रयागराज कमिश्नरेट में 2011 बैच मुख्य आरक्षी पद पर गंगानगर जोन सर्विलांस सेल में तैनात अंगद गिरि को 26 जनवरी को रजत पदक मेडल व प्रमाण पत्र देकर उनके सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। ज्ञात हो की गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के अवसर पर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश सेवा अभिलेख के आधार पर एवं शौर्य के आधार पर उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्ह व सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह तथा सेवा अभिलेख के आधार पर और शौर्य के आधार पर प्रशंसा चिन्ह प्रदान किए जाने हेतु चयनित अधिकारियों व कर्मचारियों को दिन संबंधित रिजर्व पुलिस लाइन में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के दौरान संबंधित पुलिस अधिकारियों के द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित कियाक्षजाएगा। लखनऊ पुलिस मुख्यालय से 715 लोगों की सूची जारी कर दी गई है। जिसमें प्रयागराज कमिश्नरेट के अंतर्गत हेड कांस्टेबल अंगद गिरि को भी रजत पदक देकर सम्मानित किया अंगद गिरि पुत्र अयोध्या गिरि वर्तमान में वह सर्विलांस सेल गंगानगर जोन कमिश्नरेट प्रयागराज में तैनात हैं व क्राइम ब्रांच की अलग अलग टीमों में अपनी सेवा दे चुके हैं। जबकि वह मूल रूप से गाजीपुर जिले के चौरंगी चक गांव के रहने वाले हैं।

जीआईसी ग्राउंड महुवरिया के मैदान में भव्य मतदाता दिवस का किया गया आयोजन

मीरजापुर। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में राजकीय इण्टर कालेज महुवरिया के मैदान में भव्य मतदाता दिवस का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम का जिला निर्वाचन अधिाकारी पवन कुमार गंगवार के द्वारा दीप प्रज्जवलित एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ क्रिया गया। इसके पूर्व विभिन्न स्कूलों के छात्र–छात्राओ एवं एनसीसी कैडेटों के द्वारा मतदाता जागरूकता से सम्बन्धित बैनर पोस्टर के साथ रैली निकाली गई, रैली को उप जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार सिंह ने हरी झण्डी दिखाकर जीआईसी ग्राउंड से रवाना कर तहसील चौराहा होते हुए कलेक्ट्रेट से पुनः जीआईसी ग्राउंड में रैली का समापन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में स्वर्गीय काशीराम बालिका इण्टर कालेज के बालिकाओं के द्वारा सरस्वती वंदना, मतदाता गीत हिन्दू बालिका इण्टर कालेज, देश भक्ति गीत सुन्दर मुन्दर इण्टर कालेज की बालिकाओ एवं स्वर्गीय काशीराम बालिका विद्यालय की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं को

जागरूक किया गया। कार्यक्रम में 18 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके 6 नए मतदाताओं को जिलाधिकारी द्वारा मतदाता पहचान दिया गया व उत्कृष्ट कार्य करने वाले सुपरवाइजर व बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। 80 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके दो मतदाताओ जिला निर्वाचन अधिकारी ने पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्रन देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मतदाता जागरूकता से सम्न्धित शपथ भी दिलाई गई। जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कहा कि बच्चों के द्वारा राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता के संबंध में अपने कार्यक्रम के माध्यम से बहुत ही सरल ढंग से बताया। उन्होंने कहा की चर्चा है कि प्रशासनिक विभिन्न व्यवस्थाओं को रोपित नहीं किया गया है

चाचा ने भतीजी पर चाकू से हमला कर किया घायल, मुकदमा दर्ज

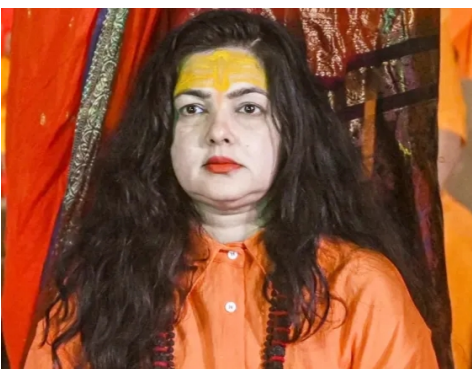
ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के भैसेड़ बलाय पहाड़ गांव में बीते शनिवार की रात 10 बजे के करीब शराब के नशे में धुत युवक ने अपनी भतीजी पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पुत्री की चीख पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे पिता बबुंदर कोल को देखकर आरोपित मौके से भाग निकला।भैसेड़ बलाय पहाड़ गांव निवासी बबुंदर कोल का छोटा भाई सुनील कुमार शराब के नशे में रात 10 बजे के करीब घर में घुसकर गाली गुला देते हुए बबुंदर कोल की 14 वर्षीया पुत्री सपना पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया शोरगुल सुनकर मौके पर पहुंचे पिता ने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर युवक की तलाश में जुट गई। रविवार सुबह घायल किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर घायल किशोरी का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ललिया में उपचार करवाया।जहां पर डॉक्टर विवेक खरे ने किशोरी का उपचार किया।डॉ० विवेक खरे ने बताया कि किशोरी के पेट और हाथ में चोटें आई हैं उपचार किया गया है हालत सामान्य है।इस संबंध में थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज भारत सुमन ने बताया कि इस मामले में आरोपी सुनील कुमार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर तलाश की जा रही है।

लखनऊ, बुधवार 28 जनवरी 2026

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद में अहंकार काफी है- ममता कुलकर्णी

प्रयागराज। माघ मेला में साधु–संतों के आचरण, परंपराओं और अधिकारों को लेकर उठ रहे सवालों के बीच किन्नर अखाड़े में महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी ने एक न्यूज एजेंसी से माघ मेले से जुड़े ताजा विवाद पर भी प्रतिक्रिया दी। ममता कुलकर्णी ने माघ मेले में शामिल न होने को लेकर कहा कि मेरा जीवन अब पूरी तरह साधना और तप में समर्पित है। मैं पिछले 25 साल से तप कर रही हूं। रोजाना गंगा जल से स्नान करती हूं और उसके बाद ही पूजा–पाठ करती हूं। इस समय गुप्त नवरात्र चल रही हैं और नवरात्र के दौरान में कहीं भी बाहर नहीं जाती। इसी वजह से मैं माघ मेले में नहीं पहुंच सकी। इंटरव्यू के दौरान जब उनसे माघ मेले में पालकी रोके जाने के विरोध में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के

200 शिष्य मौजूद थे। मेला प्रशासन ने भारी भीड़ का हवाला देते हुए संगम स्नान पर रोक लगा दी और पैदल जाकर स्नान करने की बात कही। प्रशासन का कहना था कि पालकी के साथ आगे बढ़ ने से भगदड़ की स्थिति बन सकती थी। ह।ल।'कि शंकराचार्य पालकी से ही संगम के पास तक जाना चाहते थे, इसी बात को लेकर प्रशासन और शंकराचार्य के बीच करीब तीन घंटे तक टकराव चला। तीन घंटे की बातचीत के बाद भी जब सहमति नहीं बनी, तो पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए शिष्यों को एक–एक कर वहां से हटाया। शंकराचार्य पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने साधु–संतों और



बटुकों के साथ मारपीट और अमद्रता की। प्रशासन ने बैरिकेडिंग तोड़ने और अव्यवस्था फैलाने का आरोप लगाया। इसके बाद से स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पिछले आठ दिनों से अपने शिविर के बाहर पालकी पर धरना दे रहे हैं।

यातायात व भीड़ नियंत्रण को योजना

प्रयागराज। प्रशासन को रविवार और गणतंत्र दिवस पर सोमवार को अवकाश होने के कारण माघ मेले में तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ की संभावना थी। इसे देखते हुए पूरे मेला क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को बेहतर बनाया जा सके। पुलिस अधिाकारियों ने मेले की सुरक्षा, यातायात और भीड़ नियंत्रण को लेकर योजना बनाई है। साथ ही सभी जवानों को हिदायत दी गई है कि वह सुरक्षा में कोई लापरवाही नहीं बरतें और श्रद्धालुओं से विनम्र व्यवहार करें।

मेला क्षेत्र की पार्किंग फुल

प्रयागराज। रविवार को अवकाश के साथ ही अचला सप्तमी का भी स्नान पर्व भी था। वहीं सोमवार को गणतंत्र दिवस को सार्वजनिक अवकाश है। लगातार दो दिनों की छुट्टी होने के कारण बड़ी संख्या में स्नानार्थी, श्रद्धालु और पर्यटक संगम आ रहे। शनिवार को भी अलग–अलग दिशाओं से काफी श्रद्धालु मेला क्षेत्र पहुंचे, जिस कारण नजदीक की पार्किंग जल्दी भर गई। पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार और एडिशनल पुलिस कमिश्नर डा. अजय पाल शर्मा ने अलग–अलग स्तर पर बनाई गई योजना को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए हैं।

अपराध के खिलाफ खड़े होने वाले जनप्रतिनिधि ये राजू पाल- पूजा पाल

प्रयागराज। पूर्व विधायक स्व० राजू पाल के स्मारक पर उनकी 21वीं पुण्यतिथि आज स्व० विधायक राजू पाल स्मारक समिति उमरपुर नीवा प्रयागराज के तत्वाधान में श्री नर्मदेश्वर शिव मन्दिर के आयोजित की गयी। इस अवसर पर विधायक पूजा पाल ने अपने स्वागत भाषण में श्रद्धांजलि कार्यक्रम में आये हुए शुभचिंतकों एवं अतिथि का सम्मान करते हुए स्व० विधायक राजू पाल की 21वीं पुण्यतिथि को जनकल्याण दिवस के रूप में समर्पित करने की बात कही। राजू पाल की स्मृति में अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर कार्यक्रम को यादगार बनाया। उन्होंने कहा कि राजू पाल केवल मेरे पति नहीं थे, वे माफिया और अपराध के खिलाफ खड़े होने वाले एक निर्भीक जनप्रतिनिधि थे। उन्होंने राजनीति को सेवा का माध्यम माना और माफिया राज के आगे कभी झुके नहीं। यही कारण था कि उन्हें अपनी जान की कीमत चुकानी पड़ी।विधायक पूजा पाल ने कहा कि इन 21 वर्षों में मैंने व्यक्तिगत रूप से बहुत कुछ खोया है, लेकिन न्याय और लोकतंत्र में विश्वास कभी नहीं खोया। यह लड़ाई सिर्फ राजू पाल के लिए नहीं है, यह उस व्यवस्था के लिए है जहां माफिया का डर नहीं, कानून का राज हो। कुछ लोग सोचते हैं कि समय के साथ माफिया का सच दब जाएगा, लेकिन सच्चाई कभी दबती नहीं है। आज सबसे जरूरी है कि हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि माफिया की सत्ता में दोबारा वापसी न हो। आज राजू पाल जी की 21वीं पुण्यतिथि पर विधायक पूजा पाल जी ने नीवां में राजू पाल के नाम से स्कूल खोलने का संकल्प लिया।

बांग्लादेश के हिंदुओं की रक्षा के लिए हुआ यज्ञ-हवन

प्रयागराज। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे लगातार हमले के विरोध में साधु संत भी नाराज हैं। सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग भी कर रहे हैं। इसी क्रम में प्रयागराज के माघ मेले में बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा के लिए विशेष अनुष्ठान किया गया।

गोवर्धनपीठ के शंकराचार्य स्वामी श्री अधोक्षजानंद देवतीर्थ जी महाराज के त्रिवेणी मार्ग पर स्थित शिविर में विशेष वैदिक अनुष्ठान एवं महायज्ञ किया गया। इस दौरान 51 वेद बटुकों ने विधि विधान से विशेष वैदिक अनुष्ठान एवं महायज्ञ किया। **कितने भी जुल्म कर लो, पीछे नहीं हटूंगा- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद** **कुछ लोगों ने शिविर में घुसने की कोशिश की थी** प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के बीच 7 दिनों से विवाद जारी है। शिविर में युवकों के हंगामे पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे ऊपर आक्रमण इसलिए किया गया है, क्योंकि हम गो–रक्षा की बात कर रहे हैं। हम इनकी आंख की किरकिरी बन गए हैं, कितना भी परेशान करें, मैं पीछे नहीं हटूंगा। जितना हमारे ऊपर जुल्म होगा, उतनी ही मजबूती से कदम उठाऊंगा। दरअसल, शनिवार रात कटहर सनातनी सेना नाम के संगठन के 8 से 10 युवक भगवा झंडा लिए नारे लगाते पहुंच गए थे। उन्होंने शंकराचार्य के शिविर में घुसने की कोशिश की और श्आई लव बुलडोजर बाबाश और श्योगी जिंदाबादश् के नारे लगाने लगे।अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों से धक्का–मुक्की भी हुई। 15 मिनट तक हंगामा चला। संगठन का प्रमुख सचिन सिंह नाम का व्यक्ति बताया जा रहा है। इसके बाद शंकराचार्य के शिष्यों ने शिविर के चारों तरफ से ढक दिया। अंदर जाने के रास्ते ब्लॉक कर दिए। शंकराचार्य के शिविर प्रभारी ने थाने में शिकायत दी है। कहा है कि असामाजिक लोग लाठी–डंडे और झंडे लेकर आए थे।

दर्शन कराने के बहाने ससुर दमाद को साथ लेकर दबंग पहुंचा चित्तकूट दबंगों ने दमाद का किया अपहरण, मौका पाकर ससुर मागा

प्रयागराज। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक पर आरोप लगाया गया है उसने ससुर दामाद को दर्शन करने के बहाने अपने गाड़ी पर बैठाया और चित्रकूट ले गया। रास्ते में युवक और उसके साथियों ने ससुर और दामाद के साथ मारपीट की। मौका पाकर ससुर भाग निकला लेकिन दामाद का अपरहण कर लिया गया। मामले की रिपोर्ट एयरपोर्ट थाना में दर्ज कराई गई है।

एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के चंद्रसेन गांव निवासी रणबहादुर सिंह पुत्र स्व० गया प्रसाद ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर बताया कि मैं 22ध्23 जनवरी की रात में संजीव सिंह पुत्र भगवत सिंह निवासी गंवर घिरला मुजपट्टा थाना एयरपोर्ट जनपद प्रयागराज अपनी गाड़ी सिवपट से स्वयं चलाकर मेरे दामाद नीरज सिंह पुत्र स्व० सुमन सिंह गांव

विरोध में उतरे ग्रामीण, कहां हमारी सांस रोकने आए हैं अदानी

‘ग्रामीणों के विरोध के चलते गहमा–गहमी भरा रहा अदानी मीरजापुर दौरा

‘एक घंटे के अंदर कार्यक्रम समेटकर लौटे

मीरजापुर। जिले के मड़िहान वन रेंज क्षेत्र अन्तर्गत प्रस्तावित 1600 मेगावाट के अदानी थर्मल पावर प्लांट के साइट विजिट के दौरान रविवार को स्थिति तनावपूर्ण दिखाई दी है जब ददरी खुर्द एवं आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने जोरदार विरोध–प्रदर्शन किया। ग्रामीणों के भारी विरोध 1 को देखते हुए पुलिस–प्रशासन की मौके पर पहले से ही भारी तैनाती कर दी गई थी। ग्रामीणों को प्लांट क्षेत्र के पास जाने से रोका गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में जुटे ग्रामीण महिलाओं एवं पुरुषों की भीड़ ने जमकर अदानी विरोधी नारे लगाते हुए कहा कि हमारा घर, खेती–किसानी और जल–जंगल उजाड़कर हमें अदानी का विकास नहीं चाहिए। कहा हमारी खुली हवा में जहर फैलाने का का कर रहे हैं अदानी जो हमें मंजूर नहीं है। ग्रामीणों के बढ़ते आक्रोश और नारों के बीच गौतम अदानी को लगभग एक घंटे के भीतर ही अपना कार्यक्रम समेटकर

मीरजापुर छोड़ना पड़ा। प्रदर्शनकारियों का कहना था है कि वे पर्यावरण, जंगल, जमीन और जनस्वास्थ्य की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना चाहते थे, लेकिन प्रशासनिक रोक के कारण तनाव की स्थिति बनी। उन्हें अदानी तक पहुंच कर अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया गया। इस दौरान मिर्जापुर बचाओ संघर्ष समिति और ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुनबिया मार्ग, जो एक वन मार्ग है, उस पर अवैध कब्जा कर परियोजना का रास्ता बनाया जा रहा है। इसके बावजूद वन विभाग और जिला प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही, जिससे प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि 11 अप्रैल 2025 को आयोजित जनसुनवाई पक्षपातपूर्ण रही, प्रभावित लोगों

हम विकास के विरोधी नहीं, विनाश के विरोधी हैं“

मीरजापुर में गौतम अदानी के साइट विजिट के दौरान मड़िहान के ददरी खुर्द व आसपास के ग्रामीणों ने जोरदार विरोध 1 दर्ज कराया। कहा यह विरोध पर्यावरण, जंगल, जमीन और भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा के लिए किया गया। ग्रामीणों ने साफ कहा छ्म विकास के विरोधी नहीं, विनाश के विरोधी हैं।” ग्रामीणों ने बताया कि कुनबिया मार्ग, जो एक वन मार्ग (ध्वतमेज त्वनजम) है, उस पर अवैध तरीके से कब्जा कर परियोजना का रास्ता बनाया जा रहा है। इसके बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा। उल्टा, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासनिक तंत्र अदानी प्रोजेक्ट को सहयोग दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग (डीएफओ) सहित जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं जंगल, पर्यावरण और कानून को ताक पर रखकर काम आगे बढ़ाया जा रहा है।मिर्जापुर बचाओ संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया है कि जब तक यह पर्यावरण–विरोधी पावर प्लांट रद्द नहीं होता, तब तक आंदोलन शांतिपूर्ण लेकिन लगातार जारी रहेगा।

पाकिस्तान क्यों नहीं कर सकता टी 20वर्ड कप 2026 का बहिष्कार? समझिए आईसीसी का पूरा खेल

अगर पाकिस्तान टी20 विश्व कप 2026 का बहिष्कार करता है, तो उसे आईसीसी द्वारा कड़े वित्तीय और खेल प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है, जिसमें 34.5 मिलियन डॉलर का नुकसान और पीएसएल का भविष्य संकट में पड़ना शामिल है।य ऐसे में उसकी जगह युगांडा को टूर्नामेंट में शामिल किया जा सकता है। पाकिस्तान आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 से हटने पर विचार कर सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने सोमवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद नकवी ने कहा कि बोर्ड पुरुषों के टी20 विश्व कप में हिस्सा लेने पर आखिरी फैसला शुक्रवार या अगले सोमवार को लेगा। नकवी ने ट्वीट किया कि मेरी प्रधानमंत्री के साथ लंबी बैठक हुई और मैंने उन्हें आईसीसी मामले के बारे में बताया। उन्होंने निर्देश दिया कि हम सभी विकल्पों पर विचार करते हुए इसे सुलझाएं। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री ने नकवी से कहा कि पाकिस्तान को बांग्लादेश को हर संभव मदद देनी चाहिए जिसे हाल में सात फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री को कई स्थितियों के बारे में बताया गया जिसमें पाकिस्तान का विश्व कप के लिए अपनी टीम नहीं भेजना या टूर्नामेंट में हिस्सा लेना लेकिन 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करना शामिल है। इस अनिश्चितता के



पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) टी20 विश्व कप से हट जाता है, तो युगांडा को प्रतिस्थापन टीम के रूप में शामिल किया जाएगा। टी20 क्रिकेट में 21वें स्थान पर काबिज युगांडा शीर्ष 20 टीमों से बाहर है। हालांकि इस मामले पर अंतिम फैसला अगले सात दिनों के भीतर सार्वजनिक कर दिया जाएगा, लेकिन निम्नलिखित कारक पाकिस्तान के विश्व कप से हटने के फैसले को लगभग असंभव बना देते हैं।1. भागीदारी समझौते का उल्लंघनअंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के प्रत्येक पूर्ण सदस्य देश किसी भी बड़े आयोजन के शुरू होने से काफी पहले एक टूर्नामेंट भागीदारी समझौते (टीपीए) पर हस्ताक्षर करते हैं। अंतिम समय में हटने से पाकिस्तान इस कानूनी रूप से बाध्यकारी अनुबंध का सीधा उल्लंघन करेगा। आईसीसी

पाकिस्तान के वार्षिक राजस्व हिस्से को रोक सकती है, जिसका अनुमान लगभग 34.5 मिलियन डॉलर (317 करोड़ रुपये) है। पहले से ही वित्तीय दबाव में चल रही पीसीबी इस नुकसान को बर्दाश्त नहीं कर सकती।। आईसीसी के प्रतिबंधषाजनीतिक हस्तक्षेप के लिए आईसीसी के प्रतिबंध व्यापक हैं। यदि बहिष्कार को केवल सरकार की सलाह पर किया गया माना जाता है, तो आईसीसी इसे खेल को हथियार बनाने का प्रयास मान सकती है। वैश्विक क्रिकेट से निलंबनरु ठीक वैसे ही जैसे अतीत में जिम्बाब्वे और श्रीलंका के साथ हुआ था। एशिया कप से बहिष्काररु एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) अक्सर आईसीसी के रुख का अनुसरण करती है। बहिष्कार के कारण पाकिस्तान भविष्य के एशिया कप में अपनी जगह खो सकता है, भले ही पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी महाद्वीपीय निकाय के प्रमुख हों। मेजबानी के अधि

कार खोनारु पाकिस्तान वर्तमान में 2028 महिला टी20 विश्व कप जैसे प्रमुख आयोजनों की मेजबानी करने वाला है। बहिष्कार से लगभग निश्चित रूप से ये अधिकार रद्द हो जाएंगे। पीएसएल संकटरु अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) का खतरा पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट की प्रमुख टी20 लीग है। हालांकि, इसकी सफलता पूरी तरह से विदेशी सितारों की भागीदारी पर निर्भर करती है। यदि पाकिस्तान किसी अंतरराष्ट्रीय आयोजन का बहिष्कार करता है, तो आईसीसी और अन्य सदस्य बोर्ड (जैसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया या ईसीबी) वैश्विक संस्था के निर्देश पर पीएसएल में भाग लेने के लिए उनके खिलाड़ियों को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने से इनकार करके जवाबी कार्रवाई कर सकते हैं।4. पूर्ण अलगाव और द्विपक्षीय प्रभाव क्रिकेट अर्थव्यवस्था द्विपक्षीय कैलेंडर पर आधारित है। विश्व कप (आईसीसी की आय का मुख्य स्रोत) को बाधित करके, पाकिस्तान उन बोर्डों को नाराज करने का जोखिम उठा रहा है जिन पर उसे अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए भरोसा करना पड़ता है। प्रमुख देशों के घरेलू दलों के बिना, पीसीबी की स्वतंत्र आय का मुख्य स्रोत समाप्त हो जाएगा।

इण्डिया-पाकिस्तान सीरीज क्यों नहीं? सकलैन मुश्ताक ने बताई असली वजह,

पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने भारत-पाकिस्तान के तनावपूर्ण क्रिकेट संबंधों के लिए राजनीति को जिम्मेदार ठहराया है, इसे मानवता और खेल के लिए हानिकारक बताया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्रिकेट का उद्देश्य देशों को विभाजित करना नहीं, बल्कि एकजुट करना और मनोरंजन प्रदान करना है। पाकिस्तान के दिग्गज स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों पर बोलते हुए राजनीति की कड़ी आलोचना की और कहा कि यह मानवता के खिलाफ है और क्रिकेट के लिए हानिकारक है। उनका मानना ​​​​छह है कि क्रिकेट देशों को एकजुट करता है, न कि उन्हें अलग करता है। भारत और पाकिस्तान ने 2012-13 के बाद से कोई द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेली है।दिसंबर 2012 में पाकिस्तान ने भारत का दौरा किया था, जहां तीन वनडे और दो टी20 मैचों की श्रृंखला खेली गई थी। टी20 श्रृंखला खूब रही, जिसमें भारत और पाकिस्तान दोनों ने एक-एक मैच जीता, जबकि मेहमान टीम ने वनडे श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की।एनआई के लिए एक विशेष साक्षात्कार में



उन्मूलन होना चाहिए क्योंकि यह मानवता के लिए हानिकारक है। राजनीति हमारी दुश्मन है और यह न केवल क्रिकेट को, बल्कि पूरी मानवता को नुकसान पहुंचा रही है। यह खेल और इसके खिलाड़ियों के लिए एक क्षति है। क्रिकेट का उद्देश्य देशों को एकजुट करना है, न कि उन्हें अलग करना। भारत और पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों (एशिया कप, विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी) में ही एक-दूसरे के खिलाफ

का दौरा किया था। हालांकि, पिछले साल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा पर्यटकों पर किए गए आतंकवादी हमले के बाद, भारतीय सरकार ने प्सीसरी धरती पर मैच खेलने की नीति बनाई — यानी भारत या विदेश में, लेकिन पाकिस्तान में नहीं।मुश्ताक ने इस बात पर भी जोर दिया कि क्रिकेट मनोरंजन के लिए होना चाहिए, न कि राजनीति या संघर्ष के लिए। उन्होंने बांग्लादेश के

इनकार कर दिया और खेल में राजनीति को न मिलाने के अपने रुख को दोहराया। मुश्ताक ने कहा कि क्रिकेट मनोरंजन के लिए है, युद्ध का मैदान या लड़ाई के लिए नहीं। मैं बांग्लादेश के भारत में न खेलने के फैसले पर टिप्पणी नहीं करना चाहता, क्योंकि मैंने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि मैं राजनीति में विश्वास नहीं करता।

न्यूजीलैंड टीम में बड़ा फेरबदल! आखिरी दो टी 20 के लिए 2 खिलाड़ी भेजे गए घर, स्टाफ ओपनर की वापसी

टिम सीफर्ट पहले टी 20 के बाद टीम में शामिल हुए, जबकि जिमी नीशम और लॉकी फार्ग्यूसन बुधवार (28 जनवरी) को विशाखापत्तनम में खेले जाने वाले चौथे ट्वेंटी से पहले आ गए हैं। कीवी टीम पहले ही सीरीज में 0-3 से पीछे है और पांच मैचों की सीरीज हार चुकी है। भारत के

खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के निर्णायक मोड़ पर न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने अपने स्कवाड में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। सीरीज के चौथे और पांचवें मुकाबले से पहले कीवी टीम ने दो युवा खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया है, वहीं एक विस्फोटक बल्लेबाज की टीम में एंटी होने जा रही है।वीकेंड पर 120 और

बिग बैश लीग खत्म होने के साथ ही, उनके सभी खिलाड़ी अब सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि, सिर्फ फिन एलन ही गुरुवार को सीरीज के पांचवें और आखिरी ट्वेंटी के लिए टीम में शामिल होंगे। टिम सीफर्ट पहले ट्वेंटी के बाद टीम में शामिल हुए, जबकि जिमी नीशम और लॉकी फार्ग्यूसन बुवार (28

जनवरी) को विशाखापत्तनम में खेले जाने वाले चौथे ट्वेंटी से पहले आ गए हैं। कीवी टीम पहले ही सीरीज में 0-3 से पीछे है और पांच मैचों की सीरीज हार चुकी है। लेकिन 7 फरवरी से शुरू होने वाले ट्वेंटी वर्ल्ड कप से पहले अपने रिकल्स को बेहतर बनाने पर ध्यान देगी।

केंद्र सरकार ने 3.37 लाख मीट्रिक टन अरहर की खरीद को मंजूरी दी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र में पीएसएस पर 3.37 लाख मीट्रिक टन खरीद को मंजूरी दी है। यह जानकारी कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को दी गई। मंत्रालय ने बयान में कहा कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में बैठक कर महाराष्ट्र में तूर (अरहर) की 3.37 लाख मीट्रिक टन खरीद, जिसकी एमएसपी राशि लगभग 2696 करोड़ रुपए है, को मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत स्वीकृति दे दी है।सरकार के द्वारा पीएसएस पर खरीदारी तब की जाती है, जब किसी फसल की कीमत एमएसपी से नीचे चलती जाती है।मंत्रालय ने बताया, बैठक के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान

ने राज्य के विपणन (मार्केटिंग) मंत्री जयकुमार रावल के साथ खरीद से

करना पड़ेगा, परंतु इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में



संबंधित व्यवस्थाओं पर चर्चा की। उन्होंने नेफेड, एन.सी.सी.एफ. और राज्य के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक के दौरान चौहान ने कहा कि तूर की खरीद के इस निर्णय से केंद्र सरकार को बड़ा वित्तीय भार वहन

करना पड़ेगा, परंतु इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला, गिरावट के बाद बाजार ने ली करवट, सेसेक्स में 200 अंकों की उछाल

मुंबई । वैश्विक बाजार से मिले—जुले संकेतों और मंगलवार को होने वाले भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के चलते आज भारतीय शेयर बाजार सपाट खुले। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100.91 अंकों की गिरावट के साथ 81,436.79 पर खुला। तो वहीं, निफ्टी मामूली बढ़त (14.70 अंक) के साथ 25,063.35 पर खुला। लेकिन कुछ ही समय बाद बाजार पर और दबाव देखने को मिला।खबर लिखे जाने तक (सुबह 9.25 बजे) बीएसई सेंसेक्स 401.18 अंक या 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,136.52 पर कारोबार कर रहा था, तो वहीं निफ्टी 103.40 अंक या 0.41 प्रतिशत गिरकर 24,945.25 पर था। इस दौरान निफ्टी के तकरीबन सभी इंडेक्स लाल निशान में ट्रेड करते हुए नजर आए। व्यापक बाजार की बात करें तो निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.13 प्रतिशत की गिरावट आई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मेटल सबसे ज्यादा लाभ कमाने

वाला सेक्टर रहा, जिसमें 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी ऑटो सबसे ज्यादा गिरावट वाला सेक्टर रहा, जिसमें करीब 1.5



प्रतिशत की गिरावट आई।सेंसेक्स पैक में, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, एनटीपीसी और टाटा स्टील टॉप गेनर्स वाले शेयरों में शामिल रहे। तो वहीं दूसरी ओर, कोटक महिंद्रा बैंक, एन एंड एम, मारुति सुजुकी, आई सी आई सी आई बैंक, एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयर रहे।हालांकि कुछ ही समय बाद बाजार ने करवट लेते हुए हरे निशान में पहुंच गया। सुबह 9.47 बजे के करीब सेसेक्स में 200 अंकों से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई, तो वहीं निफ्टी में 100 अंकों से

ज्यादा की तेजी देखी गई।व्हाइस ब्रोकिंग के टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट आकाश शाह ने कहा कि गणतंत्र दिवस की छुट्टी के बाद मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार में तेजी की उम्मीद है। पिछले कारोबारी सत्र में प्रमुख सूचकांकों में गिरावट जारी रही। निफ्टी 50 फिसलकर 25,000 के अहम स्तर के करीब पहुंच गया, जबकि सेंसेक्स में भी तेज गिरावट देखने को मिली। बाजार में चौतरफा बिकवाली का दबाव रहा। खासतौर पर बैंकिंग, ऊर्जा और कुछ उपभोक्ता सेक्टर की शेयरों में कमजोरी दिखी। एक्सपर्ट ने आगे कहा कि तकनीकी रूप से निफ्टी अभी अपने शॉर्ट-टर्म मूविंग एवरेज से नीचे बाजार की कमजोरी को दर्शाता है। 25,200 से 25,300

का दायरा अब इमीडिएट रेंजिस्टेंस माना जा रहा है। अगर बाजार यहां तक उछलता है, तो फिर से बिकवाली का दबाव बन सकता है। नीचे की ओर 25,000 का स्तर बेहद अहम सपोर्ट है। अगर निफ्टी इस स्तर से नीचे फिसलता है, तो गिरावट बढ़कर 24,950 से 24,900 तक जा सकती है। हालांकि, कुछ शेयरों में ओवरसोल्ड स्थिति के कारण हल्की राहत वाली तेजी देखने को मिल सकती है।एक्सपर्ट शाह ने आगे बताया कि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। कैश सेगमेंट में एफआईआई ने करीब 4,113 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने लगभग 4,102 करोड़ रुपए की खरीदारी की, जिससे बाजार को कुछ हद तक सहारा मिला, लेकिन एफआईआई की बिकवाली का पूरा असर खत्म नहीं हो सका।कुल मिलाकर बाजार की शुरुआत हल्की सकावात्मक या स्थिर रह सकती है, लेकिन निवेशक और ट्रेडर पूरी तरह सतर्क रहेंगे। फोकस कंपनियों के नतीजों पर आधारित शेयरों पर रहेगा और जोखिम प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाएगी।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच सोने की कीमतें 5,000 डालर प्रति औंस के पार

नई दिल्ली । दुनिया भर में बढ़ती अनिश्चितता और तनाव के बीच सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। सोना 5,000 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गया है और इसने नया रिकॉर्ड बना लिया है।सुरक्षित निवेश वाली कीमती धातु सोना कारोबार के दौरान 5,026 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया, जबकि चांदी पहली बार 102 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गई। जनवरी 2024 में सोने का भाव 2,000 डॉलर प्रति औंस से थोड़ा ऊपर था।विशेषज्ञों का कहना है कि जैसे-जैसे हम 2026 में आगे बढ़ रहे हैं, कीमती धातुएं यानी सोना और चांदी मजबूत तेजी वाले बाजार में कारोबार कर रही हैं, और बीच-बीच में थोड़ी गिरावट के बावजूद इनकी की की रफ्तार कायम है।विश्लेषकों के अनुसार,



का असर शॉर्ट टर्म के उतार-चढ़ाव से ज्यादा है।ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थटेक फर्म एनरजि मनी के सीईओ पोनुमुदी अर. ने कहा कि सुरक्षित निवेश की मांग, केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोने की खरीद और वैश्विक स्तर पर नरम मौद्रिक नीतियों की उम्मीदें कीमतों को

मजबूती प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले जिन स्तरों पर रेजिस्टेंस रहता था,

कहना है कि चांदी की खासियत यह है कि यह निवेश के साथ-साथ उद्योगों में भी इस्तेमाल होती है। इसी वजह से चांदी की मांग ज्यादा मजबूत दिख रही है।विशेषज्ञों के मुताबिक यह तेजी अफवाहों या सट्टेबाजी की वजह से नहीं, बल्कि मजबूत आर्थिक कारणों से आई है।अने वले समय में, खासकर 2026 की पहली तिमाही और उसके बाद भी सोने और चांदी का भविष्य मजबूत बना हुआ है।विश्लेषकों का कहना है कि कम आपूर्ति, निवेश और उद्योग दोनों की मांग और दुनिया में नकदी की उपलब्धता कीमतों को आगे भी सहारा देगी। अगर थोड़े समय के लिए कीमतों में गिरावट आती भी है, तो वह ज्यादा नहीं होगी और निवेशक इसे खरीद का मौका मान सकते हैं।

अब वहीं मजबूत मांग देखने को मिल रही है, जिससे बाजार की मजबूती और बढ़ी है।चांदी ने इस तेजी में सोने से भी बेहतर प्रदर्शन किया है। कॉमेक्स सिल्वर 100 डॉलर के पार चली गई है और नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।बाजार के जानकारों का

सोने-चांदी ने बनाया एक और नया रिकार्ड, कीमतें रिकार्ड उच्चाई पर पहुंचीं

मुंबई । अमेरिकी डॉलर की लगातार कमजोरी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के बीच मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतें नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं।दिन के शुरुआती कारोबार में सोना 2.4 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,59,820 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया, जो अब तक का सबसे हाई स्तर है। हालांकि बाद में मुनाफावसूली के कारण कीमतों में थोड़ी गिरावट आई। वहीं चांदी पिछले सभी रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 3,59,800 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया, जो अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है।हालांकि खबर लिखे जाने तक (सुबह करीब 10.47 बजे) एमसीएक्स पर फरवरी कॉन्ट्रैट वाला सोना 1.45 प्रतिशत या 2,270 रुपए की उछाल के साथ 1,58,307 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं मार्च कॉन्ट्रैट वाली चांदी 4.84 प्रतिशत यानी 16,197 रुपए की तेजी के साथ 3,50,896 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोना और चांदी अब तक के सबसे

ऊंचे स्तर पर पहुंच गए। दुनिया में बढ़ते तनाव के कारण निवेशक सुरक्षित निवेश के रूप में सोना-चांदी की ओर बढ़ रहे हैं। अमेरिका में सरकारी कामकाज बंद होने की आशंका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से 25 प्रतिशत नए टैरिफ की धमकियों ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। ट्रंप ने दक्षिण कोरिया की कारों, लकड़ी और दवाइयों के आयात पर टैरिफ लगाने की बात कही है। साथ ही उन्होंने कनाडा को चेतावनी दी है कि अगर वह चीन से समझौता करता है तो उस पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। अमेरिका में अप्रैल डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव करीब 1 प्रतिशत बढ़कर 5,113.70 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस से 5.113.70 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस पर पहुंच गए। इस दौरान केंद्रीय इंडेक्स 0.1 प्रतिशत कमजोर हुआ, जिससे विदेशी निवेशकों के लिए सोना सस्ता हो गया।लगातार सुरक्षित निवेश की मांग, केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद और दुनिया भर में नरम मौद्रिक नीतियों की उम्मीद से कीमतों को सहारा मिल रहा है। वहीं कॉमेक्स चांदी 99 डॉलर के स्तर को पार कर गई है और नए रिकॉर्ड बना रही है। इस हफ्ते अमेरिका में फेडरल

ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की दो दिन की



बैठक होने वाली है। उम्मीद है कि फिलहाल ब्याज दरें नहीं बदली जाएंगी, लेकिन साल के अंत तक कम से कम दो बार दरों में कटौती की उम्मीद की जा रही है।मेहता इक्विटीज लिमिटेड के कमांडीटी विशेषज्ञ राहुल कलंत्री ने कहा कि बाजार की नजर अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले पर है। राजनीतिक दबाव की चर्चाओं ने सोना और चांदी जैसे कीमती धातुओं में निवेश की ओर बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सोने को 1,57,050 से 1,55,310 रुपए के बीच सपोर्ट मिल सकता

है, जबकि ऊपर की ओर 1,59,850 और 1,62,950 रुपए पर रेजिस्टेंस

